Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 229 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, मंगलवार 10 फरवरी 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

अमित शाह ने कहा- बस्तर की संस्कृति को नए प्राण देने का कार्य कर रही छत्तीसगढ़ सरकार

भारत की संस्कृति का आभूषण है बस्तरः गृहमंत्री अमित शाह

पांच साल में विकसित बनेगा बस्तर

बस्तर पंडुम के विजेताओं को किया गया सम्मानित

जगदलपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर भारत की संस्कृति का आभूषण है। बस्तर पण्डुम के माध्यम से यहां की संस्कृति और गौरवशाली परंपरा को छत्तीसगढ़ सरकार ने नए प्राण देने का काम किया। बस्तर पंडुम 2026 के सभी विजेताओं को केंद्रीय गृहमंत्री शाह और मुख्यमंत्री साय ने सम्मानित किया।

केंद्रीय गृहमंत्री ने बताया कि इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले लोक कलाकारों को राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित किया जाएगा, जहां उन्हें अपनी कला का प्रदर्शन करने और सहभोज करने का अवसर भी मिलेगा। केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह ने जनजातीय कला एवं संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन तथा जनजातीय प्रकृति व परंपरा का उत्सव बस्तर पण्डुम के तीन दिवसीय संभाग स्तरीय आयोजन के समापन अवसर पर आज जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर संभाग के 07 जिले के 32 जनपद पंचायतों और 1885 ग्राम पंचायतों के 53 हजार से अधिक लोक कलाकारों ने 12 विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन्हीं लोक संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य बस्तर पण्डुम 2026 के माध्यम से राज्य की सरकार द्वारा किया जा रहा है।

श्री शाह ने कहा कि बस्तर जैसी संस्कृति विश्व के किसी देश में नहीं है और इसे प्रभु श्री राम के समय से संजोकर यहां के लोगों ने अक्षुण्ण बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के 700 से अधिक जनजातियों की आदिवासी संस्कृति और पारंपरिक विरासतों को पुनर्जीवित करने धरती आबा योजना और पीएम जनमन योजना जैसी अनेक योजनाएं लागू की। श्री शाह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हमारी लड़ाई किसी से नहीं बल्कि यहां की भोली-भाली आदिवासी जनता को सुरक्षा देना है। माओवाद उन्मूलन की समय सीमा अभी भी वही है।

जवानों के अदम्य साहस और बहादुरी से 31 मार्च 2026 तक हो माओवाद को घुटने टेकने पड़ेंगे। उन्होंने प्रदेश में संचालित की जा रही नक्सल पुनर्वास नीति की सराहना करते हुए कहा कि पुनर्वास केंद्रों में उन्हें रोजगारमूलक और सृजनात्मक गतिविधियों से भी जोड़ा जा रहा है।

जापान के चुनाव में साने ताकाइची को मिली प्रचंड जीत, पीएम मोदी से मेलोनी तक दे रहे बधाई

नई दिल्ली। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल की है। ताकाइची ने अपनी सहयोगी जापान इनोवेशन पार्टी (इशिन) के साथ मिलकर 233 सीटों पर बहुमत हासिल कर जीत का आंकड़ा पार कर लिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें जीत की बधाई दी। ताकाइची के गठबंधन ने कुल 352 सीटों पर जीत हासिल की है। इस जीत पर ताकाइची को ग्लोबल लीडर्स की तरफसे बधाई संदेश मिल रहे हैं।

जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने पर बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई, जिसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल रहे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, प्रतिनिधि सभा के चुनावों में ऐतिहासिक जीत पर सनाए ताकाइची को हार्दिक बधाई ! हमारी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके कुशल नेतृत्व में हम भारत-जापान की मित्रता को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, आज के बहुत जरूरी वोट में भारी जीत के लिए प्रधानमंत्री साने ताकाइची और उनके गठबंधन को बधाई। वह बहुत सम्मानित और बहुत मशहूर नेता हैं।

11 फरवरी को होगी सीएम साय कैबिनेट की बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में साय कैबिनेट की अगली बैठक 11 फरवरी को होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय के मंत्रिपरिषद कक्ष में सुबह 11 बजे से शुरू होगी। जिसमें आगामी विधानसभा सत्र के कार्यक्रमों, प्रशासनिक फैसलों और कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, बैठक में वित्त, अवसंरचना, कृषि, उद्योग, ऊर्जा समेत अन्य प्रमुख विभागों के कई जरूरी एजेंडा पेश किए जाएंगे। इस बैठक में राज्य में चल रही कई जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा। साथ ही, बजट में शामिल होने वाली नई नीतियों और परियोजनाओं पर भी निर्णय की प्रक्रिया तेज की जा सकती है। सरकार के विकास रोडमैप को गति देने के लिए निवेश आकर्षण, रोजगार सृजन, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचा उन्नयन से जुड़े प्रस्ताव भी मेज पर आ सकते हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में हुई कैबिनेट बैठक में नशे के बढ़ते खतरे को देखते हुए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश के 10 जिलों में जिला स्तरीय नशा विरोधी टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। इसके लिए 100 नए पदों को मंजूरी दी गई है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के 50 वर्ष पूरे, नई स्वास्थ्य सुविधाओं का शुभारंभ

जयपुर। राजस्थान के जयपुर स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने अपनी स्वर्ण जयंती (50 वर्ष) मनाई। इस मौके पर संस्थान में नई इमारतों और स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव और उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा मौजूद रहे। यह संस्थान आयुर्वेद शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में देश का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

स्कूली बच्चों की प्रस्तुति से प्रभावित हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

संभाग स्तरीय बस्तर पण्डुम 2026 के समापन समारोह में स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और ताली बजाकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री के स्वागत में जगदलपुर के हजारों स्कूली बच्चों ने ऐसा जादू है मेरे बस्तर में गीत पर मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। बच्चों की भावपूर्ण और अनुशासित प्रस्तुति देखकर श्री अमित शाह भी भावविभोर हो उठे और उन्होंने बच्चों को ताली बजाकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा मलखंभ प्रदर्शन भी किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह ने बच्चों की कला, अनुशासन एवं आत्मविश्वास की प्रशंसा करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

नेपाल चुनावः भारत के साथ सीमा चौकियां 72 घंटे के लिए बंद रहेंगी

काठमांडू। पड़ोसी देश नेपाल में आगामी 5 मार्च को संसदीय चुनाव होने वाले हैं। इस दौरान नेपाल और भारत के सुरक्षा अधिकारियों ने चुनाव को ध्यान में रखते हुए और सुरक्षित मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने पर सहमति जताई है। शुक्रवार को मोरंग जिले के बीरतनगर में नेपाल सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) और भारत के सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के बीच आयोजित 16वीं उप महानिरीक्षक (डीआईजी) स्तरीय समन्वय बैठक हुई। बैठक में दोनों पक्षों ने चुनावों में बाधा उत्पन्न कर सकने वाले अवांछित तत्वों की घुसपैठ को रोकने के लिए सीमा नियंत्रण को कड़ा करने पर सहमति व्यक्त की।

राजिम-कुम्भ : आयोजन में गंभीर लापरवाही पर भड़के विधायक साहू

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के राजिम कुंभ कल्प मेले में अव्यवस्थाओं को देखकर राजिम विधायक रोहित साहू अधिकारियों पर भड़क गए। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। यह पूरा मामला राजिम कुंभ में परफॉर्म करने आए कलाकारों के खाने और पीने के पानी की व्यवस्था से जुड़ा था। इस दौरान विधायक ने अधिकारियों को कहा कि वह सरकार की इमेज की धनिया हो रहे हैं। सरकार की बेइज्जती हो रही है। इस दौरान सामने मौजूद अधिकारी अगल-बगल झाकते दिखें। विधायक ने आयोजन में लापरवाही को गंभीर मानते हुए उन्होंने जिला प्रशासन और इवेंट कंपनी को सख्त चेतावनी दी। विधायक ने कहा कि अधिकारी हों या इवेंट कंपनी, सरकार की छवि धूमिल करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। विधायक ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प मेला आस्था, संस्कृति और प्रदेश की पहचान से जुड़ा आयोजन है, इसकी गरिमा से कोई भी खिलवाड़ नहीं कर सकता। दरअसल, एक दिन पहले पत्रकारों और आम नागरिकों द्वारा इवेंट कंपनी पर मनमानी, अनावश्यक रोक-टोक और अभद्र व्यवहार के आरोप लगाए गए थे। इन शिकायतों को लेकर विधायक रोहित साहू से मुलाकात की गई थी।

'मुझे बोलने का मौका मिलेगा या नहीं' राहुल गांधी के सवाल पर लोकसभा में भारी हंगामा

नई दिल्ली। बजट सत्र के 9 वें दिन लोकसभा की कार्यवाही केवल 13 मिनट ही चल पाई। विपक्ष सदन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने देने की मांग कर रहा है। राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि 1 घंटा पहले स्पीकर के पास हम गए, स्पीकर ने हमें कमिट किया कि मुझे बजट डिस्कशन से पहले बोलने दिए जाएगा, आप मुझे बोलने नहीं दे रही हैं। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आप मुझे बोलने देंगी या नहीं। 3 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो आसंदी (स्पीकर की चेयर) पर संध्या राय (भाजपा सांसद) बैठी थीं। इसके बाद जमकर हंगामा होने लगा और लोकसभा की कार्यवाही को कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले विपक्ष के सांसदों ने राहुल गांधी को बोलने का मौका दो के नारे लगाए। लोकसभा में राहुल गांधी ने कहा, एक घंटा पहले स्पीकर साहब के पास हम गए। तो उन्होंने हमसे कहा कि वह बोलने देंगे। हमें अब बोलने का मौका दिया जाएगा या नहीं? इस पर पीठासीन ने कहा कि आपकी तरफ से किसी विषय पर नोटिस नहीं दिया गया है। राहुल गांधी के यह दावा करने के बाद कि उन्हें सोमवार को फिर से सदन में बोलने की इजाजत नहीं दी गई, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने साफ किया कि स्पीकर ने गतिरोध को खत्म करने की पहल की थी।

आरबीआई की बड़ी राहतः

सूक्ष्म और लघु उद्यमों को अब 20 लाख तक का फ्री लोन

नई दिल्ली। देश में अब सूक्ष्म और लघु उद्यम को 20 लाख रुपए तक का कोलैटरल फ्री लोन मिलेगा। यह जानकारी आरबीआई की ओर से सोमवार को जारी सर्कुलर में दी गई। आरबीआई द्वारा जारी सर्कुलर में कहा गया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को लोन देने संबंधी निर्देश, 2026 जारी किए हैं। ये संशोधन निर्देश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को लोन देने संबंधी मुख्य दिशा-निर्देश (दिनांक 23 जुलाई, 2025 तक अपडेटेड) के कुछ प्रावधानों में बदलाव करते हैं।

सर्कुलर में आगे कहा गया कि इस संशोधन के बाद सूक्ष्म और लघु उद्यम (एमएसई) बिना कुछ गिरवी रखकर 20 लाख रुपए तक का लोन ले सकते हैं। इसके अलावा कुछ नियामक बदलावों के अनुरूप कुछ संशोधनों को अलग से अधिसूचित किया जाएगा। केंद्रीय बैंक ने बताया कि यह संशोधित निर्देश एक अप्रैल 2026 से लागू होंगे। आरबीआई ने आगे बताया कि इन निर्देशों का उद्देश्य सीमित परिसंपत्तियों वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए अंतिम छोर तक लोन वितरण को मजबूत करना है।

यूआईडीएआई ने स्कूली बच्चों के लिए एक करोड़ बायोमेट्रिक अपडेट पूरे किए

नईदिल्ली. भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने देश भर के 83000 स्कूली छात्रों के लिए एक करोड़ से अधिक अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) को पूरा करने का लक्ष्य हासिल किया। इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी मंत्रालय के अनुसार, यूआईडीएआई ने सितंबर 2025 में स्कूली छात्रों के लिए यह विशेष एमबीयू अभियान शुरू किया था। यह मिशन मोड अभियान तब तक चलता रहेगा जब तक देश के सभी विद्यालय इसमें शामिल नहीं हो जाते। इस पहल से अब तक 83,000 विद्यालयों के 1 करोड़ बच्चे लाभान्वित हुए और कई और भी बच्चों को इससे लाभान्वित होने की आशा है।

अभिभावकों द्वारा पांच वर्ष से कम आयु के बच्चे के आधार कार्ड के लिए पंजीकरण कराते समय उसकी फोटो, नाम, जन्मतिथि, लिंग, पता और जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों के फिंगरप्रिंट और आइरिस बायोमेट्रिक्स आधार पंजीकरण के लिए नहीं लिए जाते हैं क्योंकि इस आयु में ये परिपक्व नहीं होते हैं। इसलिए, 5 से 15 वर्ष की आयु पार करने के बाद, फिंगरप्रिंट और आइरिस बायोमेट्रिक्स प्रक्रिया का पालन करते हुए आधार में फिंगरप्रिंट और आइरिस बायोमेट्रिक्स की जानकारी देना अनिवार्य है।

भारत-सेशेल्स संबंधों को मिली नई ऊंचाई, पीएम मोदी ने किया 175 मिलियन डॉलर पैकेज का ऐलान

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के बीच सोमवार को द्विपक्षीय मुलाकात हुई। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-सेशेल्स संबंधों, आर्थिक सहयोग और विकास साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत और सेशेल्स के रिश्ते केवल राजनयिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हिंद महासागर की लहरें सदियों से दोनों देशों के लोगों को जोड़ती आ रही हैं।

बैठक के बाद संयुक्त बयान जारी करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मुझे राष्ट्रपति हर्मिनी और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। सेशेल्स के राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने पर मैं भारत के 1.4 बिलियन लोगों की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति हर्मिनी की यह पहली भारत यात्रा है और यह ऐसे शुभ अवसर पर हो रही है, जब सेशेल्स अपना 50वां स्वतंत्रता दिवस और भारत-सेशेल्स के राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये ऐतिहासिक पड़ाव दोनों देशों को निरंतर नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने दोहराया कि भारत और सेशेल्स के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं हैं। हिंद महासागर के तटों पर दोनों देशों के बीच व्यापार फला-फूला, संस्कृतियों का आदान-प्रदान हुआ और विश्वास की परंपराएं समय के साथ और मजबूत होती गईं।

पीएम मोदी ने बताया कि दोनों देश आर्थिक सहयोग को और सुदृढ़ बनाने के लिए नए अवसरों की तलाश जारी रखने पर सहमत हुए हैं। लोकल करेंसी में व्यापार को बढ़ावा देने के साथ-साथ फिनटेक और डिजिटल समाधानों के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास साझेदारी भारत-सेशेल्स संबंधों की मजबूत नींव रही है और भारत के सभी प्रयास सेशेल्स की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं पर आधारित हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि भारत सेशेल्स के लिए 175 मिलियन डॉलर के विशेष इकोनॉमिक पैकेज की पेशकश करेगा। यह पैकेज सोशल हाउसिंग, ई-मोबिलिटी, व्यवसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, रक्षा और मैरीटाइम सुरक्षा जैसे अहम क्षेत्रों में ठोस परियोजनाओं को समर्थन देगा।

शरद पवार की बिगड़ी तबीयत, भर्ती

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति से बड़ी खबर सामने आ रही है। जानकारी सामने आई है कि एनसीपी (एसपी) पार्टी के प्रमुख शरद पवार की तबीयत बिगड़ गई है। शरद पवार को बुखार और गले में इन्फेक्शन की शिकायत है जिसके बाद उन्हें पुणे के रूबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले खबर आई थी कि जुखाम, खांसी और सांस लेने की शिकायत के चलते शरद पवार बारामती से पुणे की ओर रवाना हुए हैं। सुप्रिया सुले और प्रतिभा पवार भी उनके साथ में हैं। हाल ही में उनकी सेहत खराब हो गई थी। पिछले कुछ महीनों में उन्होंने कई पब्लिक इवेंट्स में जाने से परहेज किया था। हालांकि, अजीत पवार की अचानक मौत के बाद वह फिर से लोगों के संपर्क में आए। पिछले हफ्ते वे लगातार कुछ दिनों तक कई लोगों से मिले और राज्य भर के नेताओं और कार्यकर्ताओं से बातचीत की।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/दुर्ग-भिलाई

रायपुर, मंगलवार 10 फरवरी 2026

www.dainikvishwapariwar.com

vishwapariwarraipur@gmail.com

केवाईसी' बनेगा सुरक्षित बैंकिंग का आधार: आरबीआई ने शुरू किया वित्तीय साक्षरता सप्ताह

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देने की अपनी निरंतर पहल के तहत 'वित्तीय साक्षरता सप्ताह (स्न्रख्ख्) 2026' का आधिकारिक शुभारंभ कर दिया है। वर्ष 2016 से शुरू हुई इस वार्षिक परंपरा के 11वें संस्करण का मुख्य विषय 'केवाईसी – सुरक्षित बैंकिंग की ओर पहला कदम' रखा गया है। इस राष्ट्रीय अभियान की शुरुआत मुंबई में आरबीआई गवर्नर श्री संजय मल्होत्रा द्वारा की गई। उन्होंने रेखांकित किया कि 9 से 13 फ़रवरी, 2026 तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों को उन आवश्यक कौशलों से लैस करना है, जो डिजिटल बैंकिंग के दौर में उनकी सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं।

इसी क्रम में, छत्तीसगढ़ के लिए राज्य स्तरीय उद्घाटन समारोह का आयोजन रायपुर में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आरबीआई छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय निदेशक श्रीमती रीनी अजित ने की। समारोह में पुलिस

महानिरीक्षक श्री ध्रुव गुप्ता (आईपीएस) सहित नाबार्ड, भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के संस्थागत वित्त संचालनालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई। यह कार्यक्रम वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के लिए बैंकिंग नियामकों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और सरकारी निकायों के बीच आपसी सहयोग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।कार्यक्रम के दौरान बैंकिंग के जटिल नियमों को सरल भाषा में समझाने के लिए चार विशेष पोस्टरों का विमोचन किया गया। ये पोस्टर मुख्य रूप से केवाईसी की मूल बातें, केंद्रीय केवाईसी रजिस्ट्री (ष्ट-चङ्घ्ष्ट) की कार्यप्रणाली और बैंक खातों में अनुशासन एवं स्वच्छता बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण उप-विषयों पर केंद्रित हैं। इस संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए आरबीआई एक व्यापक मल्टीमीडिया अभियान चला रहा है। साथ ही, सभी बैंकों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने ग्राहकों के बीच सक्रिय रूप से जानकारी साझा करें ताकि जागरूकता का एक सुदृढ़ तंत्र विकसित किया जा सके।आरबीआई का रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय इस पूरे सप्ताह के दौरान छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में जमीनी स्तर पर आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना चुका है।

राष्ट्रीय वेक्टर जनित फाइलेरिया उन्मूलन अभियान 10 से 25 तक

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण जो केंद्र सरकार के निर्देश पर राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष चलाया जाता है इसके तहत 10 फरवरी से 25 फ़रवरी के मध्य फ़ाइलेरिया एवं मलेरिया उन्मूलन अभियान छग के 18 जिलों में एक साथ चलाया जाएगा। उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विमल कुमार राय ने दी। राय ने पत्रकारवार्ता में बताया कि फ़ाइलेरिया एवं मलेरिया के समस्य शहरी क्षेत्र के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा पाई जाती है। इस वूचेरिया बैकॉप्टी एवं ब्रूजिया मलाई के नाम से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि फ़ाइलेनिया रोग का फैलाव रात दस बजे के बाद होता है। इसमें सामान्य मनुष्य को क्यूलेक्स नामक माता मच्छर के काटने से होता है। उक्त रोग चार से पाच वर्ष बाद उचित इलाज नहीं मिलने पर हाथ पाव में तब्दील हो जाता है। डॉ. राय ने बताया कि रायपुर जिले में चार विकास खंड आरंग अभनपुर तिल्दा, धरसींवा एवं रायपुर के शहरीय क्षेत्रों में रामनगर गोगांव,हीरापुर, भनपुरी एवं बिरगांव क्षेत्र में एमडीए किये जाना है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28251/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28251
वार्ड का नाम-44- स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR757B00675** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. PARAG MANIK, 2.CHIRAG MANIK S/O LATE. G.L. MANIK (GIRDHARLAL MANIK),3. ASHISH MANIK, 4. KAVITA KOTAK, 5. NIKETA GANDHI C/O LATE. SHANTI LAL MA,6. MONA MASRANI, 7. SALONI M MASRANI, 8. SWATI MANIK D/O H.D. MANIK, 9. NARENDRA MANIK, 10. HARINDRA MANIK, 11. LALIT MANIK C/O LATE. JHAVRI LAL MANIK** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **पराम मानिक, चिराग मानिक, दोनो के पिता स्व. जी. एल. मानिक, गिरधर लाल मानिक, आशीष मानिक, कविता कोटक, निकेता गांधी, तीनों पिता स्व. शांतिलाल मानिक, मोना मसुरानी पिता एच. डी. मानिक, सलोनी एस मसरानी, पिता एच. डी. मानिक, स्वाति मानिक पिता एच. डी. मानिक, नरेन्द्र मानिक, ललित मानिक दोनो पिता स्व. झंवेरीलाल मानिक, वर्षा मानिक, नेहा मानिक, मीत मानिक, तीनों पति / पिता स्व. हरिन्द्र मानिक** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत वसीयतनामा** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28210/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28210
वार्ड का नाम-44- स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739C00119** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. MO. ALANOOR, 2. NOOR MOHAMMED, 2. MO. SALIM SOLANKI, 4. MO. NISAR, SOLANKI S/O LATE. PHOOL MOHAMMED, 5. HAJI SUBRATI SOLANKI S/O HAJI GHISA JI SOLANKI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A**के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **उत्तम कुमार दानी पिता स्व. छैलबिहारी दानी, सोनल दानी, पति उत्तम कुमार दानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28338/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28338
वार्ड का नाम-57- भगवती चरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR448E00061** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ALI RAZA BADAMI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. HAIDAR ALI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सदफ फातमा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मोहम्मद असगर खान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28354/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28354
वार्ड का नाम-43- ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR759C00042** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MR. DWARKA DAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RASA LAKHWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **गंगा छेतीजा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **तुलसी दास छेतीजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28361/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28361
वार्ड का नाम-43- ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758D00280** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRAKASH CHAND SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KUSUM SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **प्रकाश चंद्र शर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. चंद्रशेखर शर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28359/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28359
वार्ड का नाम-43- ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758D00188** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RADHE HARI, CHANDRASEKHA, RAMKRISHNA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सागर तिवारी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. अशोक तिवारी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स, रसीद, सहमति पत्र, परिचय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28397/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28397
वार्ड का नाम-34-पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 34 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR224C134AH** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. AMITESH SHUKLA S/O LATE. SHYAM CHARAN SHUKLA, 2. DEVYANI SHUKLA W/O AMITESH SHUKLA, 3. BHAWANI SHANKAR SHUKLA S/O AMITESH SHUKAL, 4. ANADI SHANKAR SHUKLA S/O AMISHTESH SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राकेश कुमार सिन्हा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. नरेश कुमार सिन्हा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी खिलौरा, जिला रायपुर,** में स्थित **दीनदयाल आवास योजनांतर्गत** निर्मित भवन क्र. **एल.आई.जी. - 12, श्री रहीम चारानिया पिता श्री फिरोज चारानिया निवासी: ई-307, चतुर्थ तल वृंदावन गार्डन सोसायटी दलदलसिवनी अविवा गार्डन के पास मोवा रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर इस कार्यालय के नामांतरण आदेश **क्र. 24 दिनांक 09.02.2026** के माध्यम से नामांतरित है। आबंटी द्वारा भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 01.08.20214** को सेलडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र **क्रमांक 2924 दिनांक 04.08.2014** को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। नामांतरित आंबटी **श्री रहीम चारानिया पिता श्री फिरोज चारानिया,** उक्त भवन को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन को क्रेता **श्रीमती रीना देवी पति श्री अनिल कुमार निवासी:- 99/बी एच.सी.एल. कॉलोनी रूंआबांधा सेक्टर सिविक सेंटर भिलाई जिला-दुर्ग (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय आतिरिक्त तहसीलदार 04 रायपुर
मामले की श्रेणीः राजस्व

संदर्भ :- जिला रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.न.- 00082 सेजबाहरा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- **RD 202526440727100058**

इश्तिहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00082 के अंतर्गत ग्राम **सेजबहार के वर्तमान भूमिस्वामी अविनाश बिल्डर्स** द्वारा भागीदार **आनंद सिंघानिया पिता/पति-संतोष सिंघानिया मुकेश पिता नरेश सिंघानिया पता-गीता नगर रायपुर** के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 15009/1(0.0111) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता **सीमा यादव पिता/पति-राहुल यादव पता-शिवम विहार एन. आर. क्षत्रपति शिवाजी स्कूल रावतपुरा कॉलोनी मठपुरैना रायपुर** के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई **दिनांक 23/01/2026** को समय सुबह **11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय आतिरिक्त तहसीलदार 04 रायपुर** पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज **दिनांक 13/01/2026** को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार:
Rakesh Dewangan
रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /28409/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28409
वार्ड का नाम- 51 - लाल बहादुर शास्त्री वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 51 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446T0571L** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NAGARMAL AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GOPI RAM AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती नीता अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री नागरमल अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /28410/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28410
वार्ड का नाम- 11 - डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227K00496** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. VINOD KUMAR ADWANI, S/O BHAGCHAND BHAGWAN DAS ADWANI 2. RUKHMANI BHAGCHAND ADWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **विनोद कुमार आडवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. भागचंद भगवान आडवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./28418/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28418
वार्ड का नाम-37 - शहीद चुड़ामणि नायक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 37 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR738A00097** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JAGDISH PRASAD AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE SURAJMAL AGARWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SANTOSH AGRAWAL 2.NEELAM KUMAR AGRAWAL 3.SANJEEV AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O JAGDISH PRASAD AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./28380/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 07-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28380
वार्ड का नाम- 26- दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 26 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR109B00211** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MAMTA RATNANI W/O LT. RAKESH KUMAR RATNANI, VARUN RATNANI S/O LT. RAKESH KUMAR RATNANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री मनोज नागवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री प्रकाशचंद नागवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./28422/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28422
वार्ड का नाम- 62 शहीद राजीव पाण्डे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR650B00291** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BALBIR SINGH GREWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MR AJIT SINGH GREWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GURUDAN SINGH GREWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O BALBEER SINGH GREWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /28325/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28325
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801L00698** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NABA KISHORE SAHOO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. JADU MANI SAHOO** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MIRACLE GROUND SOCIETY (CHURCH)-PRESIDENT-NABA KISHOR SAHOO S/O LT. JADU MANI SAHOO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /28362/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 07-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28362
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801L01577** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANISH VISHWANATH BHARGAVA S/O VISWANTAH BHARGAV AND SHERRY MANISH BHARGAVA W/O MANISH VISWANATH BHARGAVA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KULDEEP SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHAVEER SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /28366/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28366
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801I00095** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M/S SMART HOMES PATNAR UTTAM CHAND CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SACHIN KUMAR SONI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAM KISHOR SONI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /28320/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 07-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28320
वार्ड का नाम- 69 - माधव राव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C0964M** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **YUVRAJ SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. SUKHRAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MINA KANHAIYA GIREPUNJE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KANHAIYA GIREPUNJE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /28317/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 07-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28317
वार्ड का नाम- 69 - माधव राव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568A00170** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOPAL PRASAD SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMLAL SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUDHA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MAHESH PRASAD SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28351/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28351
वार्ड का नाम-45-मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR741A00245** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NEERAJ SHRIVASTAVA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GIRDHAR MURARI LAL SHRIVASTAVA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **चिन्मय बिल्डर्स प्रा. लि. द्वारा डायरेक्टर चिन्मय दावड़ा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **प्रकाश दावाड़ा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28365/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28365
वार्ड का नाम-45-मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR440K00058** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RATAN DEVI CHANDAK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सुमन चांडक** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सुशील चांडक** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत वसीयतनामा** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /28051/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28051
वार्ड का नाम- 10 - रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227U00333** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. RUBEE MANDAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RANJIT MANDEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. रंजीत कुमार मण्डल 2. सौरभ मण्डल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. राजेन्द्र नाथ मण्डल 2. रंजीत कुमार मण्डल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **टैक्स रसीद, पूर्व विक्रय विलेख, दस्तावेज, बी - 1 तहसीलदार आदेश** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28335/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 09-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28335
वार्ड का नाम-64-डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 64 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR662I00200** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRASHANT JHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **आशा झा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. प्रशांत झा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, मंगलवार 10 फरवरी 2026

सूरजपुर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बलराम शर्मा के पहल पर जिला न्यायालय के नवीन भवन निर्माण हेतु रास्ता हुआ साफ

एडिशनल रजिस्टर्ड प्रशासन संतोष ठाकुर ने नवीन भवन निर्माण के लिए स्वीकृत की 14 लाख 85 हजार रुपए

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) सूरजपुर जिला न्यायालय में बढ़ते अधिवक्ताओं एवं मुवकिलों की संख्या के कारण बैठने की समस्या अपनी चरम सीमा पर थी। जिला न्यायालय बार एसोसिएशन के नए अध्यक्ष बनते ही अधिवक्ता बलराम शर्मा ने न्यायालय भवन निर्माण एवं अधिवक्ताओं एवं उनके द्वारा मुवकिलों की बैठने कि व्यवस्था बनाने के लिए संघर्ष तेज किया जिसका सुखद परिणाम सामने आया है।

जानकारी के अनुसार न्यायालय भवन निर्माण के लिए युवा अधिवक्ता एवं सूरजपुर जिला न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बलराम शर्मा ने राज्यपाल छत्तीसगढ़ लोक निर्माण विभाग मंत्री जिला कलेक्टर सहित विभिन्न अधिकारियों को पत्र प्रेषित किया था। जिस पर पहल करते हुए एडिशनल रजिस्टर्ड प्रशासन छत्तीसगढ़ संतोष ठाकुर ने 14,850000 रु पिछले 6 फरवरी को ही स्वीकृत कर दी साथ ही रजिस्टर्ड ने इस आशय की जानकारी संबंधित पत्र प्रधान जिला एवंसत्रन्यायाधीश, सूरजपुर छ0ग0 को दी ।

प्रधान न्यायाधीश सूरजपुर को लिखे अपने पत्र में रजिस्टर्ड प्रशासन छत्तीसगढ़ संतोष ठाकुर ने उल्लेख किया है कि सूरजपुर जिला न्यायालय भवन निर्माण कार्य हेतु आबंटित भूमि में से राजस्व वन भूमि रकबा 1.82 हे. वन भूमि के व्यपवर्तन हेतु आपके पत्र क्रमांक-1496/चार-01-02/2015, सूरजपुर, 6.नवंबर 2025को संदर्भ में यथानिर्देशित, अनुरोध है कि विधि विभाग, नवा रायपुर, अटलनगर का पृष्ठां,क्रमांक-FINACC/774/2026/21-बजट (Const.)/719, नया रायपुर, 5 फरवरी 2026 के द्वारा कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग (भ./स.), संभाग सूरजपुर (छ0ग0) को सूरजपुर जिला न्यायालय भवन निर्माण हेतु आबंटित वन भूमि व्यपवर्तन की शेष राशि रू. 14,85,000/- की स्वीकृति प्रदान किया गया है।

अत: आप कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग (भ./स.). संभाग सूरजपुर (छ0ग0) को यह निर्देशित करने का कष्ट करें कि उन्हें उक्त कार्य हेतु आबंटित राशि रूपये 14,85,000/- को वनमंडलाधिकारी, वनमंडल, सूरजपुर को (कैम्पा) खाता में जमा करना सुनिश्चित करें। तत्पश्चात् आप उपरोक्त भूमि को आबंटित करायें एवं उक्त भूमि को पूर्ण रूप से अपने आधिपत्य में लेने के पश्चात् इस रजिस्ट्री को सूचित करने का कष्ट करें।

संतोष ठाकुर एडिशनल रजिस्ट्रार (प्रशासन)बिलासपुर के द्वारा नवीन जिला न्यायालय भवन निर्माण की राशि स्वीकृत होने पर अधिवक्ता बलराम शर्मा ने धन्यवाद देते हुए रजिस्टर्ड के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिला न्यायालय को अपना नवीन भवन जल्द मिलेगा ऐसा मैं विश्वास करता हूं।न्यायालय भवन निर्माण के बाद न्यायालय में अधिवक्ताओं एवं उनके मुवकिलों की बैठने कि व्यवस्था बन सकेगी जो एक बड़ी बात होगी।

कंपनी एवं राष्ट्रहित का रखें ध्यान 12 फरवरी का राष्ट्रीय व्यापी हड़ताल से करें तौबा - महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) आगामी 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रव्यापी हड़ताल को टालने हेतु बिश्रामपुर क्षेत्र में कार्यरत संयुक्त सलाहकार समिति की बैठक अतिथिगृह के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह द्वारा सभी श्रमसंघ प्रतिनिधि से हड़ताल में न जाने की अपील की ।

जानकारी के अनुसार एस ई सी एल बिश्रामपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक डॉ सिंह ने स्थानीय विश्राम गिरी में विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक बलाई और अग्र किया कि बिश्रामपुर क्षेत्र नुकसान में चल रहा है देश की ऊर्जा पूर्ति में हमारी कंपनी की महत्वपूर्ण भूमिका है आप सब इस कंपनी के कर्ताधर्ता है ऊर्जा जरूरत की हमारी कंपनी पूर्ण करती है कोल इंडिया को हम सबसे बहुत उम्मीद है आप सब प्रस्तावित हड़ताल को तौबा करें और राष्ट्रहित में दो कदम आगे बढ़कर आए ताकि प्रदेश और क्षेत्र की सर्वांगीण विकास हो सके श्रम संगठनों के 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रव्यापी हड़ताल को तौबा करें इसके विपरीत उत्पादन पर ध्यान दें और राष्ट्र के नवनिर्माण में अपनी भूमिका पूर्ण करें यही मैं अपील आप सभी से करता हूं।

इंस्टाग्राम में फंसाकर शादीशुदा महिला को किया ब्लैकमेलिंग, सुसाइड के बाद प्रेमी गिरफ्तार

बिलासपुर। ब्लैकमेलिंग से त्रस्त होकर दो बच्चों की मां के फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने जुर्म दर्ज कर प्रेमी युवक को गिरफ्तार कर लिया है. सकरी थाना क्षेत्र के लाखासार निवासी राधेश्याम यादव ने बताया, 12 साल पहले उन्होंने गांव के रंजिता यादव से प्रेम विवाह किया था, उनके दो बच्चे हैं. 19 जनवरी की दोपहर 3 बजे उनकी पत्नी रंजिता यादव ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी. उन्होंने थाने में लिखित शिकायत करते हुए आरोप लगाया था. सोशल मीडिया इंस्टाग्राम में उनकी पत्नी रंजिता की तखतपुर खैरी निवासी सौरभ विश्वास पिता दीपक विश्वास से दोस्ती हो गई थी. बातचीत के दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गया. इसी दौरान उसने दोनों की मोबाइल में फोटो ले ली. उसके बाद वह उनकी पत्नी को फोटो सोशल मीडिया इंस्टाग्राम में वायरल कर बदनाम करने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग करने लगा. भय से उनकी पत्नी उसे 2 लाख रुपए दे चुकी थी. उसके बाद भी उसे पैसा देने के लिए युवक दबाव बना रहा था. 19 जनवरी को युवक ने पैसा भेजने के लिए उनके पत्नी मोबाइल में अपना बैंक एकाउंट व बार कोड भेजा था. पति ने मामले की लिखित शिकायत सकरी थाने में की है. इधर पुलिस ने मृतका का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया है. पुलिस मृतका को मोबाइल जब्त कर जांच में जुट गई है. शनिवार को पुलिस ने जांच के बाद बीएनएस की धारा 108 के तहत जुर्म दर्ज कर प्रेमी सौरभ विश्वास को गिरफ्तार कर लिया है.

सरदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड (एसईएमएल) का वित्त वर्ष 26 के पहले नौ महीनों में शुद्ध लाभ 59 प्रतिशत बढ़ा, नए पीपीए से राजस्व स्थिरता मजबूत

सरदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड (एसईएमएल) ने वित्त वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में शानदार वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का शुद्ध लाभ (पीएटी) साल-दर-साल आधार पर 59त्न बढ़ा, जिसे उसकी एकीकृत ऊर्जा और धातु कारोबार में मजबूत परिचालन प्रदर्शन का समर्थन मिला। कंपनी की समेकित आय वित्त वर्ष 26 के 9 महीनों में 32त्न की वृद्धि के साथ 4,669 करोड़ रुपये रही, जबकि एडिबटा 53त्न बढ़कर 1,672 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि उच्च मार्जिन, बढ़े हुए बिजली उत्पादन और धातु कारोबार में स्थिर वॉल्यूम के कारण दर्ज की गई। मौसमी सुस्ती और नियोजित शटडाउन के बावजूद वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में कंपनी का प्रदर्शन स्थिर रहा। इस तिमाही में समेकित एडिबटा साल-दर-साल 7त्न बढ़कर 395 करोड़ रुपये रहा, जबकि कैश प्रॉफिट 7त्न बढ़कर 338 करोड़ रुपये हो गया। पहली और दूसरी तिमाही में रिकॉर्ड राजस्व और लाभप्रदता के बाद तीसरी तिमाही का प्रदर्शन मजबूत गति को आगे बढ़ाता है, जिसमें ऊर्जा खंड ने कुल लाभप्रदता में लगभग दो-तिहाई योगदान दिया। तिमाही के दौरान एसईएमएल ने दो नए पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए, जिससे मध्यम अवधि की आय में स्थिरता और स्पष्टता बढ़ने की उम्मीद है। ये नए पीपीए कंपनी के लिए अनुमानित नकदी प्रवाह को सहारा देंगे और ऊर्जा पोर्टफोलियो को और मजबूत करेंगे। कंपनी ने लागत अनुकूलन के उद्देश्य से अपनी स्वच्छ ऊर्जा रणनीति के तहत वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में अपने कैप्टिव सोलर प्रोजेक्ट पर भी काम जारी रखा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में कल 10 फरवरी को प्रदेश के विभिन्न जिलों में 6,412 जोड़ो का होगा विवाह

साइंस कॉलेज में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का भी होगा शुभारंभ

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज 10 फरवरी को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत राज्य स्तरीय विवाह कार्यक्रम से प्रदेशभर के 6 हजार 412 से अधिक जोड़े विभिन्न धार्मिक परंपराओं एवं रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह में बंधने वाले नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देंगे

जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री साय रायपुर साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का भी शुभारंभ करेंगे। अभियान के प्रथम चरण में 6 माह से 52 माह आयु वर्ग के 40 हजार कुपोषित बच्चों को कवर किया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत बस्तर संभाग से होगी, जिसमें बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर एवं सुकमा जिले शामिल हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री द्वय श्री अरुण साव, श्री विजय शर्मा, केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

मुख्य कार्यक्रम राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में प्रात: 11 बजे से 1,316 जोड़ों का विभिन्न धार्मिक परंपराओं एवं रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न होगा। इन विवाहित जोड़ों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 35 हजार रूपए उनके बैंक खातों में सहायता राशि और 15 हजार रूपए की राशि के उपहार सामग्री तथा विवाह के आयोजन में खर्च की जाएगी। इस कार्यक्रम से बलौदा बाजार, धमतरी, दुर्ग, महासमुंद एवं राजनांदगांव जिलों के जोड़े ऑनलाइन माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रम से जुड़ेंगे। शेष जिलों में जिला मुख्यालयों पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें संबंधित प्रभारी मंत्री एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत राज्य के विभिन्न जिलों में हिंदू रीति से 6,281, मुस्लिम रीति से 3, ईसाई रीति से 113, बौद्ध रीति से 5 तथा बैगा समुदाय के 10 जोड़े विवाह सूत्र में बंधेंगे। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से राज्य शासन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को सम्मानपूर्वक विवाह का अवसर प्रदान कर रहा है। यह वृहद आयोजन सामाजिक समानता, समरसता एवं जनकल्याणकारी शासन के प्रति राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से दर्शाता है।

शासकीय विद्यालय संस्कार और सामाजिक सद्भाव के केंद्र - गजेंद्र यादव

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) छत्तीसगढ़ प्रिंसिपल एसोसिएशन द्वारा पिछले 8 फरवरी को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के प्रेक्षागृह में शैक्षिक संगोष्ठी एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। युक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव तथा अध्यक्षता अहिवारा विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री डोमन लाल कोर्सेवाडा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. शैलेंद्र पटेल उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि श्री यादव ने कहा कि शासकीय विद्यालय बच्चों के संस्कार निर्माण और सामाजिक सद्भाव के सशक्त केंद्र हैं, जहां समाज के सभी वर्गों के बच्चे एक साथ शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन्होंने विद्यालयों में घटती छात्र संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे शिक्षकों एवं प्राचार्यों के लिए आत्ममंथन का विषय बताया। साथ ही पदोन्नति को प्राथमिकता देने और शिक्षकों की जायज मांगों पर समयबद्ध निर्णय का आश्वासन दिया।

समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव के नेतृत्व में 2800 प्राचार्यों सहित लगभग 10 हजार पदोन्नत शिक्षकों के लिए अभिनंदन किया गया। प्रांतीय संयोजक श्री अनिल शुक्ला ने स्वागत उद्बोधन में पारदर्शी पदोन्नति प्रक्रिया हेतु शासन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रिंसिपल एसोसिएशन के नौ सूत्रीय मांग पत्र का वाचन किया गया।

शैक्षिक संगोष्ठी में डॉ. प्रियंवदा श्रीवास्तव एवं उनकी टीम द्वारा छात्रों के मानसिक दबाव एवं अवसाद विषय पर व्याख्यान एवं टेलीफिल्म प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में प्रदेश भर से बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष प्राचार्य, शिक्षा अधिकारी एवं कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन शिरीष तिवारी एवं आभार प्रदर्शन श्याम कुमार वर्मा ने किया।

संक्षिप्त समाचार

रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण अंतर्गत प्रशिक्षक हेतु आवेदन आमंत्रित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार,)सूरजपुर जिले के 143 विद्यालयों में छात्राओं को विद्यालय स्तर पर रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कराया जाना हैं। जिसके लिए जिले के 143 हाई स्कूल /हायर सकेण्डरी विद्यालयों में मास्टर ट्रेनर के माध्यम से आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जाना है। 01 माह के प्रशिक्षक या ट्रेनर हेतु इच्छुक उम्मीदवार वांछित योग्याता व निर्धारित प्रारूप में 03 दिवस के भीतर सहायक जिला परियोजना अधिकारी श्री चंद्रपाल कुशवाहा के पास अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। अन्य जानकारी के लिए आवेदक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी में संपर्क कर सकतें हैं।

स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौ महीनों के वित्त परिणाम घोषित किए

नईदिल्ली। स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड, जिसका पूर्व नाम स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड था, ने अपने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौ महीने के परिणाम घोषित किए, जो कंपनी की स्ट्रेटेजिक ग्रोथ, फाइनेंसियल ग्रोथ और लांग टर्म वैल्यू क्रिएशन को दर्शाता है।

मैनेजिंग डायरेक्टर नागेश्वर राव कंदुला ने कहा: वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौवीं माही हमारी कंपनी के लिए एक निर्णायक दौर है। हमने सफलतापूर्वक इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म में खुद को परिवर्तित कर लिया है, साथ ही अपने मुख्य ग्लास-लाइनिंग बिज़नेस को भी तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं।

ग्लास-लाइन्ड टेक्नोलॉजीज़ में नेतृत्व, कंडक्टिविटी ग्लास-लाइन्ड रिएक्टरों जैसे ब्रेकथ्रू इनिवेशंस, शेल-एंड-ट्यूब हीट एक्सचेंजर्स में मजबूत पकड़ और विस्तारित टर्नकी इंजीनियरिंग क्षमताओं के साथ, स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड लॉंगटर्म, सस्टेनेबल मूल्य क्रिएशन के लिए अच्छी स्थिति में है। हमारा ध्यान एक्सक्यूशन एक्सीलेंस, टेक्नोलॉजिकल लीडरशिप और अपने शेयरधारकों के लिए निरंतर मूल्य क्रिएशन पर केंद्रित है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण तिमाही है। इस तिमाही के दौरान, कंपनी औपचारिक रूप से अपने कॉर्पोरेट नाम को बदलकर स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड कर दिया।

यह बदलाव स्ट्रेटेजिक, डिलिब्रेट और फॉरवर्ड लुकिंग है। पिछले कुछ वर्षों में, कंपनी एक प्रोडक्ट सेंट्रिक ऑर्गेनाइजेशन से हाई प्रिसिशन, इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म में विकसित हुई है—जो अवधारणा से लेकर चालू करने तक सिंहले पोंट रेस्पोंसिबिलिटी के साथ काम्प्लेक्स, मल्टी डिस्कोप्लीनरी प्रोजेक्ट्स को पूरा करने में सक्षम है। हमारा नया नाम हमारी पहचान को इसी वास्तविकता के अनुरूप बनाता है।

फ्लेक्सी कैप फंड्स' बने पहली पसंद: बाज़ार में उथल-पुथल के बीच भिलाई के निवेशकों का भरोसा

भिलाई: बदलते वैश्विक संकेतों और बाज़ार के उतार-चढ़ाव के बीच, फ्लेक्सी कैप फंड्स खुदरा निवेशकों की पहली पसंद बन गए हैं। ये फंड उन निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बनकर उभरे हैं जो कम अस्थिरता के साथ बेहतर विकास का संतुलन चाहते हैं। निवेशकों की पसंद बदल रही है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 में निवेशकों ने दूसरे फंड्स को छोड़कर सबसे ज्यादा भरोसा फ्लेक्सी कैप फंड्स पर दिखाया और इसमें बहुत निवेश हुआ। AMFI के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक, साल 2025 में निवेशकों ने फ्लेक्सी कैप फंड्स में रिकॉर्ड 80,978 करोड़ का निवेश किया। यह रकम स्मॉल-कैप (52,321 करोड़) और मिड-कैप (49,939 करोड़) जैसे बड़े फंड्स की तुलना में लगभग दोगुनी है। निवेश की यह रफ़्तार दिसंबर 2025 में सबसे ज्यादा रही, जब अकेले एक महीने में 10,019.27 करोड़ का निवेश हुआ, जो पिछले महीने के मुकाबले 23त्न ज्यादा है। बाज़ार के इसी ट्रेंड को देखते हुए, टाटा फ्लेक्सी कैप फंड की लोकप्रियता भी बढ़ी है। 31 दिसंबर 2025 तक, इस फंड के पास कुल जमा पूंजी (रू) करीब ?3,700 करोड़ हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले 27.5त्न ज्यादा है। यह दिखाता है कि रिटेल निवेशक टाटा की फ्लेक्सी-कैप रणनीति पर काफी भरोसा जता रहे हैं। निवेशकों का यह बढ़ता उत्साह क्षेत्रीय स्तर पर भी साफ दिखाई दे रहा है। भिलाई में, टाटा फ्लेक्सी कैप फंड ने जनवरी 2026 में ?74,92,388 की कुल बिक्री दर्ज की है, जो जनवरी 2025 के मुकाबले 327त्न की भारी बढ़त है। इतनी बड़ी उछाल यह दर्शाती है कि बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच छोटे शहरों के रिटेल निवेशक अब अधिक जागरूक हो रहे हैं और ऐसी निवेश रणनीतियों को चुन रहे हैं जो लचीली हों।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, मंगलवार 10 फरवरी 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

ललित गर्ग

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया। यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो। संसद के भीतर अप्रकाशित 'संस्मरण' के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मर्यादा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है। राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई। कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार-बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर-जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग-अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्राय: संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए। केवल नियमों के उल्लंघन का हवाला देकर बहस को समाप्त करना भी स्वस्थ परंपरा नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर पूर्ण मौन भी लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व के विपरीत है। अत: दोनों पक्षों को अपनी-अपनी सीमाएं पहचाननी होंगी। अंतत: प्रश्न राहुल गांधी की परिपक्वता का भी है। परिपक्वता का अर्थ चुप रहना नहीं, बल्कि यह समझना है कि कौन-सा प्रश्न कब, कहां और कैसे उठाया जाए। एक राष्ट्रीय नेता से अपेक्षा होती है कि वह भावनात्मक आवेग के बजाय रणनीतिक विवेक से काम ले। इसी तरह विपक्ष की सामूहिक जिम्मेदारी है ।

वर्तमान एंव भावी पीढ़ियों पर बोझ..

केंद्रीय आमदनी में कॉरपोरेट टैक्स का हिस्सा 18 फीसदी ही रह गया है, जबकि आम लोगों का कर योगदान 46 फीसदी पहुंच गया है। यह प्रतिगामी सूरत है। बजट से साफ है कि इसमें सुधार का कोई प्रयास नहीं किया गया है। केंद्रीय बजट में 2026-27 में 53,47,315 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसका 24 फीसदी हिस्सा कर्ज लेकर जुटाया जाएगा। बाकी रकम टैक्स और गैर कर स्रोतों से आएगी। सरकार जो खर्च करेगी, उसका 20 प्रतिशत हिस्सा पहले से मौजूद कर्ज का ब्याज चुकाने में जाएगा। 22 प्रतिशत हिस्सा उगाहे गए कर में राज्यों का हिस्सा देने, 11 प्रतिशत हिस्सा रक्षा, और दो प्रतिशत केंद्रीय कर्मचारियों के पेंशन पर खर्च हो जाएगा। इसके अलावा केंद्र के अपने प्रशासनिक खर्चे हैं। उन सबके बाद पूंजीगत निवेश के लिए लगभग 17 करोड़ (सवा 12 लाख करोड़ सीधे पूंजीगत निवेश और सवा पांच करोड़ पूंजीगत संपत्तियों के निर्माण के लिए सहायता अनुदान) के लिए बचेंगे। अगले वित्त वर्ष में केंद्र लगभग 17 लाख करोड़ रुपये के नए कर्ज लेगा। मगर इससे भी प्रस्तावित खर्च पूरा नहीं होगा। कुल मिलाकर 4.3 प्रतिशत का राजकोषीय घाटा रह जाएगा। ये रविवार को पेश हुए आम बजट का सीधा गणित है। जब सरकार का लगभग एक चौथाई बजट कर चुकाने पर खर्च होने लगा है, तो समझा जा सकता है कि देश की वास्तविक आर्थिक स्थिति क्या है। पिछले साल केंद्र ने 14 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया। इस वर्ष उससे तीन लाख करोड़ रुपये अधिक लेने का इरादा उसने रखा है, तो उसकी वजह यही है कि अब ऋण चुकाने के लिए ऋण लेना पड़ रहा है। चालू वित्त वर्ष में केंद्र ने आय कर और जीएसटी दरों में छूट देकर अपने लिए प्रत्यक्ष एवं परोक्ष दोनों करों से होने वाले आय को घटाया। नतीजतन, उसे और अधिक ऋण लेना पड़ेगा। सरकार चाहती, तो कॉरपोरेट टैक्स में 2019 में दी गई छूट वापस लेकर तथा धनी लोगों पर नए कर लगाकर राजकोषीय सेहत सुधार सकती थी। अब उसकी कुल आमदनी में कॉरपोरेट टैक्स का हिस्सा 18 फीसदी ही रह गया है, जबकि (व्यक्तिगत आयकर 21 प्रतिशत, जीएसटी 15 प्रतिशत, उत्पाद एवं कस्टम 10 प्रतिशत मिला दें, तो) आम लोगों का कर योगदान 46 फीसदी तक पहुंच गया है। यह प्रतिगामी सूरत है। मगर इसे सुधारने के बजाय सरकार और ऋण लेकर वर्तमान एंव भावी पीढ़ियों पर बोझ बढ़ा रही है।

आलेख

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौता: मुक्त और निष्पक्ष व्यापार के प्रति प्रतिबद्धता

श्री राजेश अग्रवाल

भारत का यूरोप के साथ 250 ईसा पूर्व से एक समृद्ध व्यापारिक संबंध रहा है, जो सिल्क रोड से भी पहले की अवधि है। अगले 2000 वर्षों के अधिकांश हिस्से के दौरान, भारतीय मसलिन, कपास, हस्तशिल्प, मसाले, पन्ना और रत्न अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सबसे पसंदीदा वस्तुओं में शुमार होते थे, जिनमें से अधिकांश यूरोप तक पहुँचती थीं। इन शानदार वस्तुओं के भुगतान के तौर पर भारत को सोना और चांदी मिलते थे। अपने सुनहरे दिनों में, भारत-यूरोप व्यापार ने मात्रा और पैमाने की दृष्टि से अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की। एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से इस संबंध को सुदृढ़ करने के प्रयास 2007 में शुरू हुए थे। गंभीर मतभेदों के कारण 2013 में बातचीत को रोकना पड़ा, क्योंकि कई मुद्दों पर दोनों पक्षों के विचार अलग थे। 2022 में बातचीत फिर से शुरू हुई और चुनौतियों की जटिलता के बावजूद इसे केवल दोनों राजनेताओं की मजबूत प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण अंतिम रूप दिया जा सका। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस व्यापार समझौते को दोनों पक्षों ने बातचीत के माध्यम से पूरा किया है, वह अस्थिर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में नियम-आधारित व्यापार संबंध की पुष्टि करता है। यह समझौता ऐतिहासिक है सिर्फ इसलिए नहीं कि इसमें शामिल विषय और क्षेत्र व्यापक हैं; समझौता ऐतिहासिक इसलिए भी है क्योंकि दोनों पक्षों को ऐसे मुद्दों पर साझा रुख अपनाना पड़ा, जो कठिन और जटिल थे। सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता: भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता शायद हाल के समय में किया गया सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता है। यह दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्रों में से एक का निर्माण कर सकता है, जिसमें लगभग 2 अरब लोग और 28 देश शामिल होंगे और जो वैश्विक जीडीपी का 25 प्रतिशत है। इसके अलावा, यह समझौता मुद्दों और चिंताओं के समाधान के सन्दर्भ में आधुनिक और नवीन है। इस समझौते में व्यापार संबंध को प्रगाढ़ करने के लिए अद्यतन और मूल विषयों के साथ-साथ प्रक्रिया-संबंधी प्रावधान भी हैं। यह समझौता वस्तु और सेवा; दोनों के लिए बाजार पहुंच और नियामक बाधाओं के समाधान के लिए एक नया मॉडल स्थापित करता है, जो पारंपरिक विषयों को नवाचार-तत्वों के साथ सुदृढ़ करता है। उदाहरण के लिए, उत्पत्ति के नियमों का अध्याय सुनिश्चित करता है कि केवल वही उत्पाद जिनका पर्याप्त प्रसंस्करण या उत्पादन साझेदार देशों में हुआ है, उन्हें मूल देश का प्रमाण दिया जाएगा; इसे विस्तृत और जटिल उत्पाद-विशिष्ट नियमों के माध्यम से हासिल किया गया है, जो मौजूदा और नयी आपूर्ति श्रृंखलाओं के अनुरूप हैं। इसके अलावा, यह समझौता बौद्धिक संपदा संरक्षण को पुनर्स्थापित करता है और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सूचना प्रवाह को बढ़ावा देने पर अतिरिक्त ध्यान केंद्रित करता है। वस्तु और सेवाओं के लिए बाजार खोलना: समझौते का मुख्य ध्यान दोनों पक्षों के विशाल और व्यापक बाजारों को एक-दूसरे के लिए खोलना है। यह समझौता भारत के निर्यात व्यापार मूल्य के 99 प्रतिशत से अधिक के लिए बाजार पहुँच प्रदान करता है, जिसमें कम से कम 90 प्रतिशत भारतीय निर्यात को समझौते के लागू होने पर तुरंत नि:शुल्कच प्रवेश की सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से, श्रम-सघन वस्तुएँ जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा, रत्न और आभूषण, लकड़ी और लकड़ी की शिल्पकला और समुद्री उत्पादों को जल्दी लाभ मिलेगा। यह रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि-प्रसंस्करण उद्योग और खनिज जैसे उद्योगों को भी जीवंत ईयू सामान्य बाजार में अपने निर्यात को विविधता देने में सक्षम करेगा। हालांकि, भारत ने ईयू वाहन के लिए बाजार पहुँच की अनुमति दी है, लेकिन इसे चरणबद्ध और सन्तुलित तरीके से टैरिफ कोटा के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है। इसी तरह, यूरोपीय संघ की शराब पर भारत की छूट घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ उच्च मूल्य वर्ग में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है। सेवाओं के व्यापार के लिए भारत-ईयू व्यापार संबंध में महत्वपूर्ण संभावनाएँ हैं। इस समझौते के तहत भारत ने 144 सेवा क्षेत्रों में ईयू की प्रतिबद्धताएँ प्राप्त की हैं, जो कि अभूतपूर्व है। इसके अलावा, गतिशीलता पर अध्याय यह सुनिश्चित करता है कि पेशेवरों और संविदा सेवा प्रदाताओं का अस्थायी प्रवेश और निवास सरल और भरोसेमंद होगा, जिसका अर्थ है कि भारत के प्रतिभाशाली सेवा पेशेवर ईयू बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं। वित्तीय सेवाओं पर संलग्नक भारत और ईयू के बीच इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों पर अधिक सहभागिता का प्रावधान करता है।

हड़ताल श्रमिक अधिकारों को कमजोर करती है

एस. पी. तिवारी

चार नयी श्रम संहिताओं का क्रियान्वयन, भारत की विशाल श्रम शक्ति, विशेष रूप से अनौपचारिक और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए जीवन यापन में आसानी में सुधार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन सुधारों का उद्देश्य, बिना जटिल उद्योग वर्गीकरण की बाधाओं के, सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की गारंटी देना है। प्रत्येक श्रमिक के लिए अनिवार्य पहचान पत्र की शुरुआत करते हुए, ये संहिताएं उन्हें सामाजिक सुरक्षा लाभों तक सीधी पहुंच की सुविधा के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करती हैं। नियमित और अनिवार्य स्वास्थ्य जांच, श्रमिकों की भलाई में मदद करेंगी, जिससे वे स्वस्थ और अधिक उत्पादक जीवन व्यतीत कर सकेंगे। इसके अलावा, समयबद्ध शिकायत निवारण व्यवस्था, पीड़ित श्रमिकों द्वारा सामना किए जाने वाले मानसिक तनाव और अनिश्चितता को कम करने में सहायता करेगी। समग्र रूप से, ये उपाय भारतीय श्रमिकों के लिए गरिमा, सुरक्षा और समावेशी विकास पर केंद्रित एक प्रगतिशील रूपरेखा का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालाँकि, इन सकारात्मक प्रावधानों के बावजूद, राजनीतिक रूप से प्रेरित केंद्रीय श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) का एक हिस्सा अक्सर हड़ताल के प्रतिकूल प्रभाव पर पूरी तरह विचार किए बिना, हड़ताल पर उतर आता है। ऐसी हड़तालों से विशेष रूप से असंगठित अर्थव्यवस्था के लगभग 38 करोड़ श्रमिकों के पारिश्रमिक को भारी नुकसान होता है, जो अपनी जीविका के लिए दैनिक आय पर निर्भर होते हैं। उनके मुद्दों को हल करने के बजाय, बार-बार होने वाली हड़तालें रचनात्मक और कठोर सामूहिक सौदेबाजी की प्रक्रिया को कमजोर करती हैं, जिससे श्रमिकों और नियोक्ताओं दोनों के लिए न्यायसंगत और संतुलित परिणाम हासिल करने की संभावना कम हो जाती है। समय के साथ, बार-बार हड़ताल बुलाने का प्रयास न केवल अप्रभावी साबित हुआ है बल्कि इसके परिणाम प्रतिकूल भी रहे हैं। बार-बार होने वाली हड़तालों से श्रमिकों में व्यापक थकान दिखाई पड़ता है, जिससे बड़ी संख्या में श्रमिक ऐसे आह्वान को या तो नजरअंदाज करते हैं या उनमें शामिल नहीं होते हैं। कुछ मामलों में, श्रमिकों के एक छोटे हिस्से को उनकी इच्छा के विपरीत हड़तालों में हिस्सा लेने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे इन आंदोलनों की नैतिक वैधता व सामूहिक ताकत और कमजोर हो जाती है। अंतत:, यह प्रवृत्ति श्रमिक कल्याण उपायों के समग्र प्रभाव को कम करती है और श्रमिकों के बीच एकजुटता को कमज़ोर करती है। हड़तालों के व्यापक परिणाम केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं रहते। औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, दैनिक यात्रियों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ता है, और सड़क किनारे के विक्रेताओं, घरेलू श्रमिकों और छोटे सेवा प्रदाताओं की आजीविका बाधित हो जाती है। इन श्रमिकों के लिए, केवल एक दिन की आय का नुकसान भी आजीविका संकट पैदा कर सकता है, उन्हें अपनी सीमित बचत को खत्म करने तथा गंभीर आर्थिक असुरक्षा में जाने के लिए मजबूर कर सकता है। भारत जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में, श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) को संवाद, आपसी-बातचीत और नियोक्ताओं तथा सरकार के साथ रचनात्मक सहयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्थायी सौदेबाजी और सहयोगात्मक समस्या समाधान पर आधारित एक मॉडल उत्पादन, रोजगार, और समग्र आर्थिक वृद्धि को बाधित किए बिना श्रमिकों की समस्याओं का समाधान कर सकता है। वर्तमान संदर्भ में, भारतीय केंद्रीय श्रमिक संघों को, जो धीरे-धीरे अपना प्रभाव खो रहे हैं, आत्मविश्लेषण करने और अन्यत्र अपनाई जाने वाली अधिक प्रभावी और दूरदर्शी तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है। भारतीय श्रमिक को एक समग्र दृष्टिकोण के साथ संगठित किया जाना चाहिए, जो जीवन यापन में आसानी, सामाजिक सुरक्षा और सकारात्मक सहभागिता पर जोर देता हो। विवादों का समाधान टकराव के बजाय संवाद के माध्यम से करना यह सुनिश्चित करेगा कि परिचालन प्रक्रिया बाधित न हो और राष्ट्रीय विकास की गति सुचारू रूप से जारी रहे। केवल ऐसे संतुलित और व्यावहारिक रणनीतियों के जरिये ही श्रमिकों के अधिकारों को वास्तविक रूप में मजबूत और दीर्घावधि में सुरक्षित किया जा सकता है।

(लेखक ट्रेड यूनियन को-ऑर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी) के राष्ट्रीय महासचिव हैं)

सत्ता की निष्कंटक राह बरास्ते सुनेत्रा की ताजपोशी

उमेश चतुर्वेदी

महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी। राजनीति जज्बात से नहीं, हालात के हिसाब से चलती है। महाराष्ट्र में सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण इसका उदाहरण है। सुनेत्रा के आंसू अभी सूखे भी नहीं, पति अजित पवार के निधन के शोक से उबरना तो दूर की बात है। फिर भी उन्होंने सियासी तकाजे को ही प्राथमिकता दी और महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच दिया। पारिवारिक वज्रपात के बीच सिंहासन पर बैठने को लेकर उनकी आलोचना स्वाभाविक है, क्योंकि समाज के सोचने का अपना ढंग है। सियासी हस्तियों से भी उसे सामाजिक परंपराओं और पारिवारिक संस्कारों को अपनाने की उम्मीद रहती है। सुनेत्रा सामाजिक सवालों से बच नहीं सकतीं। लेकिन सवाल यह है कि सुनेत्रा की ताजपोशी से महाराष्ट्र की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ने जा रहा है? प्रश्न यह भी उठता है कि आखिर क्या वजह रही कि सुनेत्रा ने आनन-फानन में शपथ ले ली। महाराष्ट्र के राजभवन में जनवरी महीने के आखिरी दिन जो राजनीतिक इतिहास रचा गया, उसकी कहानी किसने लिखी थी। महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, लेकिन राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार हैं। यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी। शरद पवार तो खुलकर स्वीकार भी कर चुके हैं कि उनकी ओर से जयंत पाटिल, अजित पवार से बात कर रहे थे। कहा तो यहां तक जा रहा है कि 12 फरवरी को दोनो पार्टियों के विलय पर अजित और शरद में सहमति हो चुकी थी। लेकिन अजित के न रहने के बाद समीकरण बदल गए। अजित के साथ गए अहम नेताओं प्रफुल्ल पटेल, आर आर पाटिल और सुनील तटकरे जैसे नेताओं की आशंकाएं बढ़ गईं। उन्हें डर था कि अगर विलय हुआ तो शरद पवार की पार्टी पर नियंत्रण बढ़ जाएगा। इसके चलते सुप्रिया सुले की पार्टी पर पकड़ बढ़ जाएगी। सुप्रिया के नियंत्रण में इन नेताओं का काम करना असहज होता। प्रफुल्ल कभी शरद पवार के बेहद नजदीकी होते थे। अजित के साथ जाकर एक तरह से उन्होंने शरद पवार के साथ दगाबाजी ही की है। उन्हें ज्यादा आशंका थी कि विलय के बाद पार्टी पर पकड़ होने के चलते शरद के बहाने सुप्रिया का चाबुक उन पर चल सकता है। लेकिन अगर पार्टी अलग रहती है और सुनेत्रा के हाथ कमान रहती है तो इन नेताओं की सियासी सेहत बनी और बची रह सकती है। यही वजह है कि अजित के निधन के चलते हुए आधिकारिक शोक की मियाद खत्म होते ही प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे

जैसे नेता सक्रिय हो गए। विधायक दल की बैठक बुलाई गई और सुनेत्रा को तत्काल उसका नेता चुनकर उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए तैयार कर लिया गया। शरद पवार भले ही इस सियासी पटकथा का लेखक सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल को मानते हों, लेकिन महाराष्ट्र के सियासी हलकों में कहा जा रहा है कि असल में यह पटकथा राज्य की बीजेपी ने लिखा है। पटेल और तटकरे जैसे नेताओं ने सिर्फ इसे अमल में लाने में भूमिका निभाई है। सवाल उठ सकता है कि अगर सुनेत्रा शपथ नहीं लेतीं तो क्या बीजेपी की सियासी सेहत गड़बड़ा सकती थी, क्योंकि राज्य में बीजेपी के 132 और एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना के 57 विधायक हैं। राज्य में बहुमत के लिए महज 145 सीटें चाहिए होती हैं। इस लिहाज से देखें तो बीजेपी की अगुआई वाली सरकार को कोई खतरा नहीं होने जा रहा था। अजित समेत एनसीपी के 41 विधायक पिछले चुनाव में चुने गए हैं। अजित के न रहने पर यह संख्या 40 रह गई है। लेकिन बीजेपी की चिंता दूसरी है। शरद पवार की राजनीतिक स्थिति भले ही ठीक ना हो, लेकिन जैसे ही दोनों एनसीपी का विलय होता, शरद ताकतवर होकर उभरते। महाराष्ट्र का यह चाणक्य एक बार फिर स्थापित होता और बीजेपी के लिए नई सिरदर्दी खड़ी हो जाती। शरद पवार इतने प्रभावी और सियासी रूप से तिकड़मी हैं कि बीजेपी के लिए संकट बनकर उभर जाते। उनकी प्रभावी सक्रियता के चलते शिवसेना के गुटों को भी एक करने की वे कोशिश कर सकते थे। भले ही यह सोच कल्पना लग रही हो, लेकिन एकबारगी स्वीकार कर लें कि ऐसा होता तो महाराष्ट्र की राजनीति कैसी होती। महाराष्ट्र में जिला परिषदों के चुनाव हो रहे हैं। पहले विधानसभा और बाद में स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की अगुआई वाली महाविकास अघाड़ी को सफलता नहीं मिली। अजित पवार के न रहने के चलते कांग्रेस को सक्रिय होना चाहिए था। अजित की अगुआई वाले जिला परिषद उम्मीदवार उनके न रहने की वजह से थोड़े आशंकित और निराश भी हैं। इस निराशा को कांग्रेस भुना सकती थी। वह एनसीपी के उम्मीदवारों पर डोरे डाल सकती थी और अपने उम्मीदवारों को नए जोश से भर सकती थी। अजित बेशक सत्ता में थे, लेकिन उन्हें विपक्षी खेमे के लिए अब भी हसरतभरी निगाह से ताकतवर नेता के रूप में देखा जा रहा था। अजित के न रहने के बाद विपक्षी नेतृत्व के लिए आसमान खुल गया है। शरद पवार की उम्र हो गई है। शरद के बाहर जाने के बाद से ही कांग्रेस राज्य में कमजोर हुई है। सुप्रिया सुले का नेतृत्व ऐसा नहीं है कि वह राज्यव्यापी प्रभाव हासिल कर पाए। यह माहौल कांग्रेस के लिए ज्यादा उपयुक्त हो सकता है। ऐसे माहौल में कांग्रेस को अपने ताकतवर नेतृत्व को स्थानीय स्तर पर आगे लाना चाहिए था। लेकिन वह ऐसा करती नहीं दिख रही। 2014 के बाद से उसने जिस नैरेटिव युद्ध की शैली को अपनाया है, राष्ट्रीय स्तर पर उसी युद्ध प्रक्रिया को जारी रखे हुए है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के पास फुर्सत नहीं है कि वह महाराष्ट्र या किसी अन्य राज्य की राजनीति के बारे में स्थानीय जरूरतों के लिहाज से सोचे और स्थानीय समुदायों के लिए उन्हीं के बीच से प्रभावी नेतृत्व उभारे। रणनीतिक लिहाज से देखें तो महाराष्ट्र में बीजेपी सभी दलों पर एक बार फिर बीस पड़ती नजर आ रही है। उसने सुनेत्रा को अपने खेमे में लाकर एक तीर से दो निशाने साध लिए हैं। उसने एनसीपी की ओर निश्चिंतता हासिल कर ली है, शरद पवार को एक बार फिर किनारे रखने में सफल हुई है

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/धर्म समाज/देश

रायपुर, मंगलवार 10 फरवरी 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

भगवान चंद्रप्रभु का जन्मकल्याणक महोत्सव उत्साह के साथ संपन्न

णमोकार तीर्थ की पवित्र भूमि समाज को प्रेरणा देगी : सीएम देवेंद्र फडणवीस

औरंगाबाद(विश्व परिवार)। नाशिक जिले के चांदवड तालुका स्थित मालसाने का णमोकार तीर्थ देशभर के लोगों की भक्ति का केंद्र बन गया है। इस पंचकल्याणक महोत्सव में उपस्थित रहने का योग मिलना हमारा सौभाग्य है। सभी मुनिश्री के दर्शन और आशीर्वाद पाकर मैं अत्यंत आनंदित हूँ। यह उदगार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री नामदार देवेंद्र फडणवीस ने रविवार, 8 फरवरी को व्यक्त किए। इस अवसर पर भगवान चंद्रप्रभु का जन्मकल्याणक (पूर्वार्ध) सोहळा अत्यंत उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

इस मंगल प्रसंग पर राज्य के मंत्री गिरीश महाजन, दादाजी भुसे, राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता सांसद प्रफुल्ल पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. भारती पवार, विधायक डॉ. राहुल आहेर, विधायक दिलीप बनकर, विधायक सतीश केळकर की विशेष उपस्थिति रही। प्रारंभ में मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने प्रतिमा पूजन किया और गणधराचार्य 108 श्री कुंथुसागरजी महाराज एवं आचार्य 108 श्री देवनंदीजी महाराज सहित सभी मुनिश्री का दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

णमोकार तीर्थ ट्रस्ट की ओर से ट्रस्टी संतोष पेंढारी, नीलम अजमेरा, भूषण कासलीवाल, महावीर गंगवाल ने अतिथियों का सत्कार किया। मुख्यमंत्री के हाथों बालब्रह्मचारी वैशाली दीदी, जया दीदी, नीलम अजमेरा, संतोष पेंढारी, भूषण कासलीवाल को सम्मानित किया गया। मंच पर राजस्व आयुक्त डॉ. प्रवीण गेडाम, जिलाधिकारी आयुष प्रसाद, जिला परिषद ष्टश्वह्र ओमकार पवार, पुलिस अधीक्षक बाळासाहेब पाटील, सहायक जिलाधिकारी कश्मिरा संख्ये, राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष पेंढारी, संयोजक नीलम अजमेरा, कीर्ती अजमेरा, दिनेश शेठी, कमल ठोलिया, बालब्रह्मचारी वैशाली दीदी, जयु दीदी, रूबीजी देवडा लोहाडे, उपाध्यक्ष महावीर गंगवाल, ट्रस्टी पवन पाटणी, विजय लोहाडे, संतोष काला, सुमेर काले, ललित पाटणी, महेंद्र काले, अनील जमगे, भूषण कासलीवाल, चंद्रशेखर कासलीवाल, पारस लोहाडे, डॉ. अतुल जैन, विनोद पाटणी, वर्धमान पांडे, पूनम संचेती, नूतन कासलीवाल, सोनल दगडे, मिहीर गांधी, आर आर पहाडे, अमित कासलीवाल, निलेश काला, संजय कासलीवाल, रूपेश जैन, अमित लोहाडे और विजयकुमार झांजरी आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि जैन तीर्थंकरों का अहिंसा और शांति का संदेश पूरी मानवता के लिए मार्गदर्शक है। सांसद प्रफुल्ल पटेल ने भी णमोकार तीर्थ को मानव कल्याण के लिए महत्वपूर्ण बताया। सोमवार, 9 फरवरी को महोत्सव में भगवान का पाळणा सोहळा, बाललीला और कुमारक्रीड़ा जैसे विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

आज का भव्य आयोजनः हाथी-घोड़ों के लवाजमे के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

आज मुख्य गुरु मंदिर से भगवान चंद्रप्रभु की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सौधर्म इंद्र सहित सभी इंद्र और इंद्राणियों ने हाथी, घोड़े और पालकी से सजे रथों में सवार होकर गाजे-बाजे के साथ इस जुलूस में भाग लिया।

जब यह शोभायात्रा मुख्य मंडप पहुंची, तब इंद्र-इंद्राणियों द्वारा विभिन्न पूजन विधियां संपन्न की गईं। इसके पश्चात, भगवान चंद्रप्रभु का जन्मकल्याणक महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

कल के कार्यक्रम (सोमवार, 9 फरवरी 2026)

विशेष गहन पुनरीक्षण: सुनवाई और दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया 14 फरवरी तक होगी

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में प्रदेश में मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 की प्रक्रिया तीव्र गति से संचालित की जा रही है।एसआईआर के अंतर्गत ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन दिनांक 23 दिसंबर 2025 को किया गया था। इसके उपरांत दावे एवं आपत्तियाँ प्राप्त करने की प्रक्रिया 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक पूर्ण की गई। वर्तमान में प्राप्त दावों एवं आपत्तियों पर सुनवाई तथा दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया 14 फरवरी 2026 तक जारी है। एसआईआर की गणना चरण के दौरान प्राप्त गणना प्रपत्रों के आधार पर, जिन मतदाताओं का मिलान वर्ष 2003 की विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ड्रक्र) मतदाता सूची से नहीं हो पाया, उन्हें संबंधित विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (श्वत्रह्र) द्वारा नियमानुसार दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी किए गए। सभी संबंधित मतदाताओं को सुनवाई का पूर्ण अवसर प्रदान किया गया। सुनवाई के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मान्य 13 निर्धारित दस्तावेजों में से आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। नियमानुसार सुनवाई एवं दस्तावेजों के परीक्षण के पश्चात, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा मतदाता सूची में नाम सम्मिलित किए जाने अथवा न किए जाने का अंतिम निर्णय लिया जा रहा है। यह प्रक्रिया 14 फरवरी 2026 तक जारी रहेगी। अब तक राज्य भर में जारी किए गए लगभग 98 प्रतिशत नोटिसों की सुनवाई पूर्ण की जा चुकी है।

4 मार्च से सेंरोंज जी मे होने वाले श्री पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां जोरों पर

- जगत पूज्य निर्यापक मुनिश्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ का रहेगा मंगल सानिध्य

ललितपुर (विश्व परिवार)। समाधि साम्राट आचार्य श्री विद्यासागर जी, नवाचार्य आचार्य श्री समय सागर जी के मंगल आशार्वाद से तथा उनके परम प्रभावक शिष्य जगत पूज्य निर्यातक संत, मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में एवं प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्र प्रदीप भैय्या सुयश अशोक नगर के कुशल निर्देशन में श्री पंचकल्याणक प्रतिष्ठा समारोह एवं गजरथ महामहोत्सव का भव्य धार्मिक आयोजन दिनांक 4 मार्च से 8 मार्च 2026 तक श्रेष्ठी प्रभारी मंत्री, राज्यमंत्री, क्षेत्रीय सांसद, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, पूर्व राज्यमंत्री, ललितपुर सदर विधायक ललितपुर भाजपाध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष ,नपा ईओ, अधिशासी अभियंता दक्षिणांचल विद्युत, जल संस्थान,

अधिशांसी अभियंत्रा लोकनि, को एवं समस्त समाज सेवी संगठन और सभी श्रेष्ठीजनों सहित सभी को सम्मान सहित सादर आमत्रंण किया गया है ।इस संदर्भ में प्रचार मंत्री रवि जैन चुनगी ने बताया कि श्री पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव की तैयारियों को लेकर आयोजन समिति के श्री सतोदय तीर्थ क्षेत्र कमेटी सेरोंन जी के महामहिम सिंघई आनंद जैन बबीना, अध्यक्ष सतीश जैन बंटी बजाज,महामंत्री सिंघई मनोज बबीना,कोषाध्यक्ष विजय जैन लागौन,प्रचार मंत्री-रवि जैन चुनगी, जितेन्द्र जैन मुच्छड़,पवन जैन बाबा,नीतेश जैन बुललऊआ, मनोज जैन छप्पन भोग,बल्ली डोंगरा, अजय जैन जखौरा,जयंत जैन जखौरा, आदि ने विचार विर्मश करते हुए आयोजन को सफल बनाने के लिए विशेष सहयोगी उप- समितियां बनाई गयी है जिन्हें उनके अनुकूल आयोजन स्थल पर श्रदालुओं को सामूचित शुद्व भोजन,बेहतर आवास,स्वच्छ प्रेयजल सहित सुरक्षा आदि के इंतजाम पर ध्यान देकर जिम्मैदारी सौंपी गयी ।

महापौर ने प्रभारी व अधिकारियों संग किया तैयारियों का निरीक्षण

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा आगामी 14 फरवरी को राजेंद्र पार्क में भव्य फ्लावर शो का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर राजेंद्र पार्क रंग-बिरंगे फूलों से सुसज्जित रहेगा, जहां बड़ी संख्या में प्रकृति प्रेमी एवं नागरिकों के पहुंचने की संभावना है। फ्लावर शो की तैयारियों को लेकर आज महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे, एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, नीलेश अग्रवाल, खालिक रिजवी एवं उद्यान प्रभारी अनिल सिंह के साथ राजेंद्र पार्क का निरीक्षण किया। नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर फ्लावर शो कार्यक्रम हेतु कार्यपालन अभियंता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

अयोध्या में अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन एवं अवार्ड समर्पण समारोह - डॉ. जीवन प्रकाश जैन

अयोध्या (उ.प्र.)। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन जी ने कहा की - स्वर्ण जयंती वर्ष के अंतर्गत अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन एवं अवार्ड समर्पण समारोह दिनांक-5 अप्रैल 2026, रविवार समय-मध्यान्ह 1 बजे अयोध्या उत्तर प्रदेश में पूज्य गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ससंघ के सानिध्य में होनेवाला है। समारोह में संपन्न होंगे विविध कार्यक्रम।

वैशाख कृष्ण दूज अर्थात् दिनांक 4 अप्रैल 2026 को पूज्य माताजी के 71 वें आर्यिका दीक्षा दिवस समारोह का भी आयोजन भव्यता के साथ संपन्न होगा । भारतवर्ष की पावन वसुन्धरा पर अनेकों ऋषि मुनियों ने अपनी पावन चरण धूलि से इस वसुमति को परम पवित्र किया है और समाज को एक नई दिशा प्रदान की है। इसी श्रृंखला में वर्ष 1977 में राष्ट्रीय स्तर पर अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद के 54वें अधिवेशन एवं भट्टारक सम्मेलन का आयोजन दिनाँक 29-12-1976 से 3-1-1977 के मध्य हुआ। उसी समय समाज में युवकों के एक संगठन की आवश्यकता को देखते हुए परमपूज्य भारत गौरव आचार्यरत्न श्री देशभूषण जी महाराज से विचार-विमर्श कर, उन्हीं के साम्ब्रिध्य में एवं पूज्य आचार्यकल्प श्री सुबलसागर जी महाराज ससंघ, परमपूज्य उपाध्याय श्री सिद्धसेन जी महाराज, पूज्य मुनि श्री बाहुबली जी महाराज (स्व. आचार्य) आदि 38 साधु-साध्वियों के सानिध्य में 1 जनवरी 1977 को महाराष्ट्र के फलटण नगर में पण्डित श्री बाबूलाल जी (जमादार।

प्रज्ञा को प्रसन्नता से वर्धमान करने पर परमात्मा पद प्राप्त होकर पदमप्रभ भगवान बनते हैं : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

पदमपुरा। पदमपुरा केअतिशय क्षेत्र में आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी के शिष्यआचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी(6 पीछी) तथा आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी(18 पीछी) का आगमन हुआ।आचार्य वर्धमान सागर संघ के साधुओं ने, आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी , पदमपुरा अतिशय क्षेत्र कमेटी और हजारो भक्तों ने दोनों संघों की मंगल अगवानी की। दोनों आचार्य संघ ने जिनालय में पदमप्रभ के दर्शन कर आचार्य श्री वर्धमान सागरजी के दर्शन कर आचार्य भक्ति पूर्वक चरण वंदना की। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी,आचार्य श्री प्रज्ञा सागरजी,आचार्य श्री प्रसन्नसागर जी एवं आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी के मंचासिन होने पर दोनों आचार्यों ने आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के चरण प्रक्षालन किए। धर्म सभा में अनूठा संयोग अतिशय हुआ जब दिगंबर धर्म की तीनों परंपरा मंच पर प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी परंपरा के आचार्य श्री वर्धमान सागर,आचार्य श्री आदि सागर परंपरा के आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी एवं आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी एवं आचार्य श्री शांति सागरजी छाणी परंपरा की आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी मंचासिन हुई।धर्मसभा में आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी ने उपदेश में 12 तप के बारे में बताया , जैन समाज की पहचान दिगंबर साधुओं से होती है तीर्थंकर भगवान यथानाम, तथागुण अनुरूप होकर असंभव को संभव बनाते हैं। आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी ने आचार्य प्रज्ञा सागर जी ओर स्वयं के ब्रह्मचारी अवस्था के संस्मरणों को साझा किया।

दिगम्बर मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव 15 फरवरी से बोलखेड़ा में

बोलखेड़ा। वर्धमान पंचबालयती तीर्थ ग्राम बोल खेड़ा में समाधिस्थ आचार्य विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ सानिध्य में आगामी 15 फरवरी से 20 फरवरी तक श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन होगा। ब्रह्मचारी गोकुल राम जैन ने अवगत कराया की अरावली पर्वत श्रृंखला की तलहटी में स्थित ग्राम बोल खेड़ा कामां पहाड़ी मुख्य सड़क मार्ग पर पंच बालयति तीर्थ नूतन आकार ले रहा है जिसमें जैन धर्म के अनुसार पंच बालयति तीर्थंकर वासु पूज्य भगवान, मल्लिनाथ भगवान, नेमिनाथ भगवान,पार्श्वनाथ भगवानं महावीर स्वामी भगवान की वृहद जिनबिम्ब स्थापित किये गए हैं जिनकी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन 15 फरवरी से झंडारोहण के साथ होगा।

मुनि संघ का 14 फरवरी को सम्भावित मंगल प्रवेश जैन समाज से प्राप्त सूचना के अनुसार मुनि प्रणम्य सागर महाराज का मंगल प्रवेश 14 फरवरी को बोलखेड़ा ग्राम में सम्भावित है। संजय जैन बड़जात्या ने बताया की 9 फरवरी को मथुरा चौरासी से संघ का पद विहार प्रारम्भ हुआ है जो गोवर्धन, डीग व कामां होते हुए बोलखेड़ा पहुँचेगा। पंचकल्याणक के समस्त आयोजन गोकुल राम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित किये जा रहे हैं। भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ 15 फरवरी को झंडा रोहण व घटयात्रा के साथ होगा।

कुर्की दल ने बकाया संपत्तिकर 1.43 लाख जमा कराए

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई जोन-2 वैशालीनगर अंतर्गत संपत्तिकर की बकाया राशि जमा कराने कुर्की टीम डोर-टू-डोर बकायादारों से संपर्क कर रहे है। संपत्तिकर की बकाया लंबित राशि जमा करने मौके पर ही समझाइस दी जा रही है।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार आज 4 बकायादारों द्वारा बकाया संपत्तिकर की राशि निगम कोष में जमा कराने चेक दिया गया था। जिनका चेक बैंक में जमा कराने पश्चात बाउंस हो गया है। चार बकायादारों में से 3 बकायादार दामोदर जांगड़े राशि 17783.00 रूपये, शांति देवी मोर्या राशि 64538.00 रूपये एवं एन डी. डे राशि 22000.00 रूपये इस प्रकार कुल राशि 104321.00 रूपये निगम कोष में जमा करया गया है।

महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज की वार्षिक उत्सव सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज की वार्षिक उत्सव दिनांक 08/02/26 को जो सम्पन्न हुई है जो इस साल ये कार्यक्रम बड़े ही जोरदार तरीके से मनाया गया जिसमें सभी वर्ग के लोग शामिल हुए ओर महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज, रायपुर द्वारा आयोजित संत श्री नहरी महाराज पुण्यतिथि एवं वार्षिक स्नेह सम्मेलन, रायपुर में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस पावन अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम, चित्रकला, भजन-कीर्तन, आध्यात्मिक वातावरण और समाजजनों के आत्मीय स्नेह मिलन ने पूरे कार्यक्रम को भावनात्मक, प्रेरणादायक और अविस्मरणीय बना दिया। समाज के वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन, मातृशक्ति की सक्रिय सहभागिता और युवाओं का उत्साह इस आयोजन की विशेष शक्ति रहा।

महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज सभी सम्मानित अतिथियों, समाजबंधुओं, मातृ शक्तियों तथा समर्पित कार्यकर्ताओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता है, जिनके अमूल्य सहयोग, समय और सेवा भाव से यह आयोजन भव्य रूप ले सका।

आप सभी का विश्वास, एकता और सहभागिता ही समाज की सच्ची पूंजी है। भविष्य में भी ऐसे ही स्नेह, सहयोग और सांस्कृतिक एकता बनाए रखने की अपेक्षा के साथ पुनः हार्दिक धन्यवाद।

महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज रायपुर के संत नरहरी पुण्यतिथि और वार्षिक उत्सव को बड़ी ही धूम धाम के साथ मनाया गया और इस कार्यक्रम को जो सफलता प्राप्त हुई है उसका सारा श्रेय समाज की कार्यकारिणी और समाजजनों को जाता है प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष जिनका भी इस कार्यक्रम में सहयोग रहा उन सभी सदस्यों को कोटि कोटि धन्यवाद इस कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए आशा बंधी कि आने वाला समय रायपुर में स्वर्णकार समाज का होगा ये विश्वास कल के कार्यक्रम की सफलता से बना।

कल जिन बच्चों ने मंच में अपना कार्यक्रम रखा ,महिला शक्ति ने अपना प्रोग्राम दिया साथ ही राजनांदगांव से आए कलाकारों ने समा बंधा वो प्रेरणादाई रहा सभी का धन्यवाद इसी प्रकार आप सभी संगठित रहे समाज अग्रसर अवश्य होगा पुनः आप सभी का धन्यवाद और आभार जो समाज के मजबूत स्तंभ है।

राजेश जैन 'राही' की कृति प्रीत तुम्हारी मधुशाला का विमोचन

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 8 फरवरी, रविवार वृंदावन सभागार, सिविल लाइंस, रायपुर में लोकप्रिय कवि राजेश जैन राही द्वारा लिखित काव्य कृति प्रीत तुम्हारी मधुशाला का विमोचन सम्पन्न हुआ। कृति में कवि राजेश जैन राही ने महाकवि हरिवंश राय बच्चन जी की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मधुशाला के छंद लिखे हैं।

काव्य दरबार से प्रारंभ होने वाले इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अधक्ष श्री प्रभात मिश्रा, रूंगटा स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. जवाहर सुरिसेट्टी, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ माणिक विश्वकर्मा नवरंग, आचार्य रंजन मोड़क, कवयित्री डॉ नेहा शुक्ला अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता डॉ. माणिक विश्वकर्मा नवरंग ने कृति पर अपने बहुमूल्य विचार रखे। कार्यक्रम में राजेश जैन राही द्वारा कृति के छंदों की संगीतबद्ध प्रस्तुति प्रणय पथ के नाम से दी गई। जिसे भरपूर सराहना मिली। श्री तिलक भोगल, श्री धनंजय साहू ने संगत की। मंच संचालन श्रीमती उर्मिला देवी उर्मि एवं सुश्री प्रियंका उपाध्याय ने किया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, मंगलवार 10 फरवरी 2026

संक्षिप्त समाचार

जिले में अवैध रेत उत्खनन पर लगातार कार्रवाई, चैन माउंटेन मशीन जब्त

महासमुंद। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देश पर जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।

जिला खनिज अधिकारी श्री फागुलाल नागेश के मार्गदर्शन में खनिज अमले द्वारा ग्राम पीढ़ी (महानदी तट) क्षेत्र में अवैध रूप से रेत उत्खनन करते हुए एक चैन माउंटेड मशीन को पकड़ा गया। मौके पर मौजूद मशीन चालक को तुमगांव थाना पुलिस की अभिरक्षा में सौंप दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत दो दिनों से पीढ़ी क्षेत्र से अवैध रूप से रेत का परिवहन रायपुर जिले के करमंडी खदान की ओर रैम्प मार्ग के माध्यम से किया जा रहा था। यह गतिविधि रात्रि के समय की जाती थी। खनिज अमले द्वारा पूर्व में सूचना के आधार पर निगरानी रखी जा रही थी। जैसे ही मशीन महासमुंद की ओर बढ़ी, टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए उसे रोक लिया। कलेक्टर के निर्देशानुसार जब्त मशीन पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जिले में कहीं भी अवैध खनन एवं परिवहन पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिले में सुरक्षित खाद्य उपलब्धता हेतु प्रशासनिक प्रयास

धमतरी। धमतरी जिले के मगरलोड विकासखंड में खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य कारोबार संचालन की तकनीकी जानकारी प्रदान करने हेतु फोस्टैक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य खाद्य कारोबारकर्ताओं को जागरूक, दक्ष एवं जिम्मेदार बनाते हुए सुरक्षित खाद्य प्रणाली को सुदृढ़ करना है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (स्नस्ड्ढ), नई दिल्ली का मुख्य उद्देश्य खाद्य कारोबारकर्ताओं को प्रशिक्षित कर एक सशक्त फूड सेफ्टी ईकोसिस्टम विकसित करना तथा खाद्य सुरक्षा से जुड़े जोखिमों को न्यूनतम करना है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक (खाद्य कारोबार का अनुज्ञापन एवं पंजीयन) विनियम, 2011 की अनुसूची-4 के अंतर्गत यह स्पष्ट प्रावधान है कि प्रत्येक खाद्य कारोबारकर्ता को खाद्य की हैंडलिंग, प्रसंस्करण, तैयारी, पैकिंग, भंडारण, परोसने एवं वितरण से संबंधित स्वच्छता एवं सुरक्षा के विषय में प्रशिक्षित होना अनिवार्य है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, जिला धमतरी द्वारा निरंतर खाद्य कारोबारकर्ताओं से यह अपील की जाती रही है कि वे अपने व्यवसाय की श्रेणी अनुसार खाद्य अनुज्ञप्ति/पंजीयन प्राप्त करें तथा एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेकर नियमों के अनुरूप खाद्य व्यवसाय का संचालन करें। इसी क्रम में मगरलोड ब्लॉक के खाद्य कारोबारकर्ताओं द्वारा पहल करते हुए एफएसएसएआई से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्था प्रखर फाउंडेशन के समन्वय से मगरलोड एवं ग्राम मेद्या में ही फोस्टैक प्रशिक्षण बैच का आयोजन किया गया, जिससे स्थानीय खाद्य कारोबारकर्ताओं को प्रशिक्षण हेतु बाहर न जाना पड़े। प्रखर फाउंडेशन द्वारा सशुल्क प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें सफल प्रशिक्षण उपरांत एफएसएसएआई द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदाय किया गया। दिनांक 6 एवं 7 फरवरी 2026 को सामुदायिक भवन, मगरलोड तथा अटल समरसता ग्राम पंचायत भवन, मेद्या में आयोजित इस प्रशिक्षण में कुल 107 किराना एवं कैटरिंग व्यवसाय तथा 51 स्ट्रीट फूड व्यवसाय से जुड़े खाद्य कारोबारकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान खाद्य कारोबार संचालन से जुड़े विभिन्न तकनीकी एवं वैज्ञानिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। मगरलोड ब्लॉक में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु एफएसएसएआई, नई दिल्ली के अधिकृत प्रशिक्षक श्री विवेक पाठक एक दिन पूर्व ही पहुंच चुके थे।

प्राचार्य की पदस्थापना निरस्त, शिक्षकों-छात्रों के विरोध ने बदला प्रशासन का फैसला

गरियाबंद (विश्व परिवार)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य वंदना पांडे की पदस्थापना को लेकर उपजा विवाद सोमवार को निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया। लगातार विरोध, प्रदर्शन और छात्रों-शिक्षकों के दबाव के बीच जिला शिक्षा अधिकारी को अंतत: पदस्थापना आदेश निरस्त करना पड़ा।

प्राचार्य की बहाली के बाद से ही विद्यालय में असंतोष का माहौल बना हुआ था। शिक्षकों ने मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए जिला शिक्षा अधिकारी से हस्तक्षेप की मांग की थी। मामला तब और गरमाया जब सैकड़ों छात्र-छात्राएं लगभग दो किलोमीटर पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। जो देखने से ही प्रायोजित लग रहा था। इस दौरान बच्चों के कलेक्ट्रेट पहुंचते समय एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि द्वारा बगैर दोनों का पक्ष जाने ही वस्तु स्थिति की जानकारी के बगैर मंत्री के कान भर दिए गए और मंत्री ने भी तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी को फोन कर प्राचार्य को हटाने की सिफारिश कर डाली।

प्रशासन ने बिना जांच के प्राचार्य को हटा दिया। शिक्षकों और प्राचार्य के बीच की लड़ाई में बच्चों को बनाया हथियार,शिक्षकों का षड्यंत्र

उजागर, शिक्षकों ने आखिरकार अपनी मनमानी को मनवा ही लिया।

विवाद के बीच एक नया मोड़ भी सामने आया है। प्राचार्य के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाली कुछ शिक्षिकाओं को जिला शिक्षा अधिकारी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आरोप है कि उन्होंने शाला परिसर में डांस कर रील बनाई, लव मैरिज कर अपने पति के साथ स्कूल पहुंची शिक्षिका का गाने के साथ स्वागत किया, जिसे अनुशासनहीनता माना गया।

एक ओर प्राचार्य की पदस्थापना निरस्त होने से विरोध कर रहे छात्रों और शिक्षकों ने राहत की सांस ली है, वहीं शिक्षिकाओं पर हुई कार्रवाई ने पूरे मामले को और जटिल बना दिया है। अब नजर प्रशासन के अगले कदम और शिक्षा विभाग की आगे की कार्यवाही पर टिकी है। अब जिले के स्कूलो में शिक्षक या प्राचार्य को लेकर विवाद हुआ तो बच्चे ऐसे ही रैली निकाल कर विवाद को बढ़ावा देंगे।

इन बच्चो मे पेश की नजीर, प्रशासन एक तरफ कार्यवाही करने मजबूर- रिल बनाने जैसी अनुशासनहीनता करने वाले शिक्षकों को केवल नसीहत और स्कूल में अनुशासन बरतने वाली प्राचार्य का हटाया। फिर प्रभारी प्राचार्य लेंगे चार्ज दो जगहों मे एक साथ पदस्थ हैं। बताया जा रहा हैं की पर्दे के पीछे सारा खेल इन्ही महाशय की रजामंदी से हो रहा हैं।

गरियाबंद की यह घटना केवल एक विद्यालय तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने पूरे शिक्षा तंत्र में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अभिभावकों और नागरिकों का मानना है कि ऐसे मामलों में समय रहते संतुलित और न्यायपूर्ण निर्णय ही शैक्षणिक माहौल को सुरक्षित रख सकते हैं।

कोटवारों से कथित अभद्रता पर गरियाबंद में बवाल

हाजिरी बहिष्कार का ऐलान, प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

गरियाबंद (विश्व परिवार)। तहसील गरियाबंद में कोटवारों के साथ कथित अभद्र व्यवहार का मामला सामने आने के बाद तहसील कोटवार संघ में तीव्र आक्रोश व्याप्त हो गया है। घटना को लेकर संघ ने कड़ा रुख अपनाते हुए तहसील हाजिरी का बहिष्कार करने का सर्वसम्मत निर्णय लिया है, वहीं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदार गरियाबंद को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई की मांग भी की है।

सोमवार को तहसील कोटवार संघ, गरियाबंद की आवश्यक बैठक आयोजित की गई, जिसमें संघ के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष तुलाराम सोरी ने की। बैठक समाप्ति के बाद तुलाराम सोरी, गेंदलाल मोंगरे और महेंद्र मोंगरे हाजिरी दिवस होने के कारण कानूनगो प्रभारी रीमा सिदार के पास हाजिरी रजिस्टर में हस्ताक्षर करने पहुंचे।

कोटवारों का आरोप है कि कानूनगो प्रभारी ने उन्हें हस्ताक्षर करने से स्पष्ट रूप से मना कर दिया तथा अभद्र और अपमानजनक व्यवहार करते हुए तत्काल तहसील कार्यालय से बाहर जाने को कहा। इससे आहत कोटवार वहां से लौट आए। इसके बाद संघ के संरक्षक ठनेंद्र नेताम ने पुन: विनम्रतापूर्वक बैठक की जानकारी देते हुए निवेदन किया, लेकिन उनके साथ भी कथित रूप से अनुचित व्यवहार किया गया और उन्हें भी वहां से जाने को कहा गया।

घटना से नाराज तहसील कोटवार संघ ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि जब तक संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध ठोस एवं निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक गरियाबंद तहसील के कोटवार तहसील हाजिरी में उपस्थित नहीं होंगे।

इसी क्रम में संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा तहसीलदार गरियाबंद को ज्ञापन सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा कोटवारों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा करने की मांग की है। संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

एसपी धमतरी के निर्देश पर नशे के विरुद्ध सख्त अभियान, तीन थाना क्षेत्रों में बड़ी कार्यवाही

धमतरी। पुलिस अधीक्षक धमतरी के निर्देशन में जिले में अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत धमतरी पुलिस ने थाना सिटी कोतवाली, थाना मगरलोड एवं थाना केरेगांव क्षेत्रों में तीन अलग-अलग मामलों में प्रभावी वैधानिक कार्यवाही की। इस दौरान सार्वजनिक स्थान पर मादक पदार्थ सेवन, अवैध शराब परिवहन एवं बिक्री के मामलों में कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान कुल 12.20 लीटर देशी कच्ची महुआ शराब एवं मादक पदार्थ जप्त किए, वहीं सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत स्टेशन पारा स्थित निर्माणाधीन रेलवे ट्रैक के पास एक युवक को सार्वजनिक स्थान पर गांजा जैसे मादक पदार्थ का सेवन करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 5.3 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ, नगद राशि, मोबाइल फोन एवं सेवन में प्रयुक्त सामग्री जप्त की गई। आरोपी मनीष कोर्राम (22 वर्ष), पिता धीरन कोर्राम, निवासी स्टेशन पारा, थाना सिटी कोतवाली, जिला धमतरी के विरुद्ध धारा 27 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

इसी क्रम में थाना मगरलोड पुलिस द्वारा देहात पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर ग्राम जामली के पास विजयपुरङ्कजामली कच्चे रास्ते पर बिना नंबर की हीरो होंडा स्प्लेंडर प्रो मोटरसाइकिल को रोका गया। जांच के दौरान मोटरसाइकिल पर रखे सफेद जरीकेन से 9 लीटर देशी कच्ची महुआ शराब बरामद की गई, जिसे आरोपी बिक्री हेतु परिवहन कर रहे थे। प्रकरण में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी लोमन साहू (39 वर्ष) पिता मन्नू साहू एवं गंगाधर नेताम (26 वर्ष) पिता सोहन नेताम, दोनों निवासी ग्राम जामली, थाना मगरलोड, जिला धमतरी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ठगी करने वाला आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

कांकेर/भानुप्रतापपुर। सोशल मीडिया के जरिए ब्लैकमेल कर ठगी करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने दूसरे राज्य से पकड़ने में सफलता हासिल की है। मामला भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र का है, जहां पीड़ित से अश्लील वीडियोङ्कफोटो वायरल करने की धमकी देकर रकम वसूली गई थी।

पुलिस के अनुसार, 2 फरवरी को पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से व्हाट्सएप वीडियो कॉल आया। इसके बाद आरोपी ने वीडियो और फोटो वायरल करने की धमकी देकर लगभग 84 हजार रुपये की ठगी कर ली। रिपोर्ट दर्ज होते ही पुलिस ने मामला गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की।

जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की लोकेशन राजस्थान के अलवर जिले में मिली। छत्तीसगढ़ और राजस्थान पुलिस के संयुक्त समन्वय से आरोपी शाहिद खान (25 वर्ष), निवासी खारेड़ा थाना मालाखेड़ा, जिला अलवर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे 8 फरवरी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक प्रेम कुमार झा सहित पुलिस टीम और साइबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी अनजान नंबर से आने वाली वीडियो कॉल न उठाएं और न ही किसी अनजान व्यक्ति से निजी जानकारी साझा करें। ठगी की स्थिति में तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या जिला पुलिस की हेल्पलाइन 94791-55125 पर संपर्क करें।

बस्तर पंडुम में दिखी आदिवासी जीवन की झलक, प्रदर्शनी देखकर मंत्रमुग्ध हुए गृहमंत्री अमित शाह, विजेताओं को मिला सम्मान

जगदलपुर (विश्व परिवार)। संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम 2026 के समापन अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लालबाग मैदान में आयोजित जनजातीय परंपराओं और संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर जनजातीय समाज के जीवन में उपयोग होने वाले उत्पादों, हस्तशिल्प और कलाओं की जानकारी ली।

केंद्रीय गृह मंत्री ने ढोकरा शिल्प, टेराकोटा, वुड कार्विंग, सीसल कला, बांस व लौह शिल्प, जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण, तुम्बा कला, जनजातीय चित्रकला, वन औषधि, स्थानीय व्यंजन तथा लोक चित्रों पर आधारित प्रदर्शनी की सराहना की। उन्होंने कहा कि बस्तर की संस्कृति भारत की आत्मा का जीवंत स्वरूप है।

प्रदर्शनी में दंडामी माडिया, अबूझमाडिया,

मुरिया, भतरा एवं हल्बा जनजातियों की पारंपरिक वेशभूषा और आभूषणों का प्रदर्शन किया गया। जनजातीय चित्रकला के माध्यम से आदिवासी जीवन, प्रकृति और परंपराओं की सजीव झलक प्रस्तुत की गई। वहीं, वैद्यराज द्वारा वन औषधियों का जीवंत प्रदर्शन भी किया गया।

स्थानीय व्यंजन स्टॉल में जोंधरी लाई के लड्डू, मंडिया पेज, आमट, चापड़ा चटनी, कुलथी दाल, पान बोबो, तीखुर जैसे पारंपरिक व्यंजन तथा लांदा और सल्फी पेय पदार्थ प्रदर्शित किए गए।

संगवारी भेंट: वर्षों बाद गले मिले गुरु-शिष्य, स्कूल की दहलीज पर फिर जिए सुनहरे दिन

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय में पहला पूर्व छात्र शिक्षक मिलन समारोह उत्साह से संपन्न

गरियाबंद (विश्व परिवार)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम शासकीय विद्यालय गरियाबंद में रविवार को आयोजित पहला संगवारी भेंट—पूर्व छात्रङ्कशिक्षक मिलन समारोह भावनाओं, यादों और सम्मान से सराबोर रहा। प्राचार्य एवं शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष प्रशांत मानिकपुरी के नेतृत्व में हुए इस आयोजन ने वर्षों पहले विद्यालय से निकले विद्यार्थियों और उनके गुरुओं को एक ही मंच पर फिर से जोड़ दिया।

समारोह की शुरुआत वरिष्ठ शिक्षकों के सम्मान से हुई। विद्यालय में दीर्घकाल तक सेवाएं देने वाले शिक्षकों को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया, वहीं दिवंगत शिक्षकों को मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस क्षण ने पूरे वातावरण को भावुक बना दिया।

वर्षों बाद मिले पूर्व छात्र एक-दूसरे को देखकर गले लग गए। विद्यालय परिसर में कदम रखते ही बीते दिनों की स्मृतियां ताजा हो उठीं। पूर्व छात्रों ने कक्षाओं, बरामदों और प्रांगण का भ्रमण किया, उन कमरों में पहुंचे जहां कभी भविष्य के सपने संजोए थे। ब्लैकबोर्ड, बेंच और दीवारों को देखकर स्कूली शरारतें, अनुशासन और मस्ती भरे पल फिर जीवंत हो उठे। ठहाकों और नम आंखों के बीच इन यादों को मोबाइल कैमरों में कैद किया गया। गरियाबंद सहित अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में पूर्व छात्र शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक एवं संगीतमय प्रस्तुतियां

देकर माहौल को और जीवंत बना दिया। स्वागत भाषण में प्रशांत मानिकपुरी ने कहा कि यह आयोजन केवल मिलन नहीं, बल्कि उन गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है जिनका आशीर्वाद जीवन भर मार्गदर्शन देता है। उन्होंने कहा कि इसी विद्यालय से पढ़े विद्यार्थी आज प्रशासनिक, सामाजिक, राजनीतिक और व्यावसायिक क्षेत्रों में जिले का नाम रोशन कर रहे हैं।

सेवानिवृत्त शिक्षक आर.पी. मिश्रा ने पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि वर्षों बाद ऐसा मिलन सौभाग्य से कम नहीं। वहीं सेवानिवृत्त शिक्षकभारत मोंगरे ने इसे ऐतिहासिक अनुभूति बताते हुए माउथ ऑर्गन की मधुर प्रस्तुति से पूरे वातावरण को भावनाओं से भर दिया।

समारोह में एम.एल. चंद्र, पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन सिंह मांझी, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, युगल पांडेय, रवि सोनवानी, गफ्फू मेमन, मुरलीधर सिन्हा, दिनानाथ साहू, फागुलाल कश्यप, संजय कन्नौजे, सत्येंद्र दिवाकर, प्रवीण मानिकपुरी, डॉ. यूसुफ मेमन, रिखीराम यादव सहित अनेक पूर्व छात्रों ने विचार रखे और समाज व राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इसके बाद शिक्षकों के साथ बेंच पर सामूहिक फोटो सत्र हुआ तथा सभी पूर्व छात्रों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन गिरीश शर्मा ने किया। आयोजन की सफलता में विद्यालय परिवार, स्टाफ और विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा।

सम्मानित शिक्षक

इस अवसर पर मदन सिंह ध्रुव, एम.एल. चंद्र, बलवंत ठाकुर, आर.पी. मिश्रा, के.पी. पटेल, कन्नौज, भरत मोंगरे, परिहार, दाउ, बी.पी. देवांगन, पाल, करन चंद्राकर, फारूक अहमद, मरकाम, जूनियर साहू, गंगा सागर, आईपी साहू, सिन्हा, श्याम चंद्राकर, वंदना पांडे, रेखा शुक्ला, मृदुला तिवारी एवं देवेश सूर्यवंशी को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, मंगलवार 10 फरवरी 2026

सहयोग केन्द्र में कार्यकर्ताओं के आवेदनों हो रहा निराकरण, करीब 100 कार्यकर्ता पहुंचे

रायपुर(विश्व परिवार)। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में सहयोग केंद्र में आज 60 से अधिक विषयों से संबंधित कुल 32 आवेदन प्राप्त हुए। सहयोग केन्द्र में सोमवार को कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कार्यकर्ताओं से भेंट मुलाकात कर उनके आवेदनों का निराकरण किया।

इस दौरान सहयोग केंद्र में लगभग 100 कार्यकर्ता पहुंचे। आज विकास से जुड़े विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए। बहुत से आवेदनों का तत्काल निराकरण भी किया गया। इस दौरान सहयोग केंद्र में प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, श्रीमती रंजना साहू, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज मौजूद रहे।

विधायक पुन्नूलाल मोहले ने सोनार समाज को 10 लाख रुपये देने की घोषणा की

मुंगेली में युवक-युवती परिचय एवं सोनार समाज सम्मेलन का भव्य आयोजन

मुंगेली (विश्व परिवार)। मुंगेली नगर में सोनार समाज द्वारा युवकङ्कयुवती परिचय एवं सोनार समाज सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ महामाया के दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुंगेली विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्री मनहरण लाल सोनी जी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सचिव स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच श्री संजीव कुमार सोनी जी, राष्ट्रीय युवा महासचिव श्री निखिल सोनी, सराफा संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री कमल सोनी जी, प्रदेश महिला अध्यक्ष श्रीमती निर्मला सोनी जी, युवा प्रदेश अध्यक्ष श्री विकास सोनी जी, विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष श्री दिनेश सोनी जी, तथा मुंगेली जिला सोनार समाज के अध्यक्ष श्री संजय सोनी जी उपस्थित रहे।संजय सोनी, ध्रुव सोनी, दीपक सोनी, विकास सोनी, राजेश सोनी, पवन सोनी, राहुल सोनी, अतुल सोनी, सुमीत सोनी, अजय सोनी, राजा सोनी, धर्मेंद्र सोनी, मनोज सोनी (रायपुर)। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों का सम्मान माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। मंच संचालन श्री अशोक सोनी जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले जी ने कहा कि सोनार समाज एक ईमानदार, शिक्षित, संगठित एवं मेहनतकश समाज है, जो सदियों से सोनाङ्कचांदी जैसी बहुमूल्य धातुओं से आभूषण निर्माण कर आजीविका अर्जित करता आ रहा है। सोनार समाज द्वारा सभी धर्म एवं समुदायों के लोगों के विवाह एवं अन्य शुभ अवसरों हेतु आभूषण निर्माण किया जाना हमारी गौरवशाली परंपरा रही है।

उन्होंने समाज की मांग पर अतिरिक्त कक्ष निर्माण आदि के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा की।

विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष श्री दिनेश सोनी जी ने सोनार समाज के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में सोनार समाज की महत्वपूर्ण भूमिका तथा स्व. जुलाराम स्वर्णकार, स्व. तुलाराम स्वर्णकार एवं स्व. छेदीलाल सोनी के योगदान का उल्लेख किया।इसके पश्चात अन्य जिलों से पधारे युवकङ्कयुवतियों का परिचय सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसमें सैकड़ों युवाओं ने अपना परिचय प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों द्वारा माँ महामाया के कैलेंडर का विमोचन किया गया एवं मुंगेली जिला सोनार समाज के सदस्यों द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के समापन अवसर पर स्वाति सोनी जी द्वारा प्रस्तुत मनमोहक गीतों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। आभार प्रदर्शन श्री संजय सोनी जी (अध्यक्ष, मुंगेली जिला सोनार समाज) द्वारा किया गया।

राधाकृष्ण विद्या मंदिर आरंग में वार्षिकोत्सव का आयोजन, नौ देवियों के मंचन ने मोहा मन

आरंग (विश्व परिवार)। अतिथियों का स्वागत ढोल,नगाड़ों, एवं हर्ष हर्ष जय के जयघोष के साथ हुआ। सर्वप्रथम परिसर में स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, श्री हनुमान जी मंदिर एवं वीणा वादिनी मां सरस्वती की पूजा अर्चना किया गया द्य विद्यालय परिवार द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विद्यार्थियों द्वारा विविध रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय ध्रुवकुमार मिर्धा. (अध्यक्ष ङ्क चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड, छ.ग. शासन, राज्य मंत्री दर्जा) रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोष लोधी जी (पार्षद) द्वारा किया गया अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में विरेंद्र (गोलू) कंडरा (पार्षद) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में विशेष रूप से डा युवराज मिश्रा , अनूप नाथ योगी ,राकेश सोनकर,नरेंद्र लोधी पार्षद,रविन्द्र अग्रवाल उपस्थित रहे द्य केबिनेट मंत्री श्री ध्रुव कुमार मिर्धा ने अपने उद्बोधन में विद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह स्कूल नगर की सबसे पुरानी प्राइवेट स्कूल है जहां संस्कार के साथ शिक्षा प्रदान किया जाता है। यहां से पढ़े हुए बच्चे विभिन्न गौरवमयी संस्थानों में प्रभावशाली पदों डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड एकाउंटेंट, आयकर अधिकारी,कुशल राजनीतिज्ञ एवं कुशल समाजसेवी नागरिक बने हैं। उन्होंने अपने पुत्र डॉ गिरधर मिर्धा जो एक सफल नाक कान गला विशेषज्ञ हैं का जिक्र करते हुए बताया कि यह संस्थान कम शुल्क में बेहतरीन शिक्षण उपलब्ध कराता है द्य पुन: उन्होंने विद्यार्थियों के सफल भविष्य की मंगलकामनाएं दी।

जब हम सरकार में थे लगता है अमित शाह दबाव में थे, तब कुछ बोलते थे, अब कुछ कहते हैः भूपेश

रायपुर (विश्व परिवार)। अमित शाह के द्वारा भूपेश बघेल को लेकर दिये गये बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जब हम सत्ता में थे तब अमित शाह दबाव में थे, तब कुछ और बोलते थे, अब कुछ और बोल रहे है। लगता है अब खुलकर बोल रहे है। 2022 में अमित शाह खुद हमारी सरकार की तारीफ करते थे। 23 अगस्त 2022 की अखबारों एवं चैनलों में उन्होंने कहा था छत्तीसगढ़ की सरकार नक्सल खात्मे के लिए अच्छा काम कर रही तब सही थे या आज सही है। उनके गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दिसंबर 2022 को लोकसभा में बयान दिया था कि छत्तीसगढ़ में 2018 की तुलना में 2022 में नक्सलवाद में 36 प्रतिशत तथा नक्सल घटनाओं से मौतों में 60 प्रतिशत की कमी आई है। गृह मंत्री अमित शाह जिस पद में है उनके द्वारा इस प्रकार के दोहरे बयान पद की गरिमा को गिराते है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कांग्रेस की सरकार बनने के बाद विश्वास विकास सुरक्षा के मूल मंत्र से नक्सलवादी घटनाओं और नक्सलवाद पर कमी आई थी। कांग्रेस की सरकार के समय दूरस्थ क्षेत्रों में कैंप बनाये गये पहुंच मार्ग बनाये गये। अबूझमाड़ में दो पुल बनाया गया। 300 से अधिक स्कूलों को खोला गया, राशन दुकान, अस्पताल खोला गया, 67 से अधिक वनोपजों की खरीदी की गयी। लोगो का भरोसा सरकार और सुरक्षा बलो के प्रति बढ़ा था। नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण हुआ था। 600 से अधिक गांव नक्सल मुक्त हुये थे, नक्सली केवल बीजापुर के कुछ ब्लाक और अबूझमाड़ तक सिमट गये थे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अमित शाह के द्वारा बस्तर के लिए जारी किए गए रोड मैप को लेकर कहा कि हमारी सरकार में अमित शाह जब दो बार आए थे तब एक दौर में मैं उनके साथ में था, दूसरे दौरे में नहीं था, तब वे सुकमा के एक कैंप में रुके थे, तब स्कूल के बारे में पूछा था तब उन्हें पता चला कि स्कूल सामने ही है और पढ़ाई भी होती है, राशन दुकान भी गये थे। हमने करोना काल में भी राशन लोगों तक पहुंचाया था।

अमित शाह नक्सलवाद पर राजनीति कर रहेः कांग्रेस

- चार साल पहले खुद माने थे भूपेश सरकार के समय नक्सलवाद में कमी आई

रायपुर (विश्व परिवार)। नक्सलवाद के मामले में देश के गृह मंत्री अमित शाह ने राजनैतिक विद्वेष के कारण गलत बयानी किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री को गलत बयानी शोभा नहीं देती। जब कांग्रेस की सरकार थी तब अपने हर दौरे में वे नक्सल नियंत्रण के मामले में भूपेश सरकार की तारीफ करते थे। आंकड़े बताते है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार के दौरान नक्सली घटनाओं में कमी आई थी। स्वंय अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में आकर 5 अप्रैल 2021 को मीडिया में बयान दिया था कि राज्य की भूपेश सरकार और केन्द्र सरकार ने मिलकर नक्सलवाद को पीछे खदेड़ दिया है। राज्य में नक्सली घटनाओं में 80 प्रतिशत तक की कमी आई है। अमित शाह के सामने आरपीएफ के डीजीपी ने कहा था छत्तीसगढ़ में नक्सलवादी पैकअप की ओर है। आज गृहमंत्री की कांग्रेस सरकार के प्रयासो पर ऊंगली उठा रहे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कांग्रेस की सरकार बनने के बाद विश्वास विकास सुरक्षा के मूल मंत्र से नक्सलवादी घटनाओं और नक्सलवाद पर कमी आई थी।

ई-गवर्नेंस को मजबूती देने जिला प्रशासन का 'प्रोजेक्ट दक्ष'

रायपुर (विश्व परिवार)। डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप शासकीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, दक्ष एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार जिला प्रशासन रायपुर द्वारा प्रोजेक्ट दक्ष (हम होंगे स्मार्ट) की शुरुआत की गई है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत जिले के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों को डिजिटल दक्षता से सुसज्जित करने हेतु सतत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 16 जुलाई 2025 से प्रारंभ किया गया है, जिसमें प्रत्येक बैच में 25-25 प्रतिभागियों के दो बैच नियमित रूप से संचालित किए जा रहे हैं।

अब तक इस परियोजना के अंतर्गत कुल 132 बैचों में 2245 अधिकारी एवं कर्मचारी सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं।

रसोईया संघ के हड़ताल पर सरकार की हठधर्मिता से स्कूली बच्चों को नहीं मिल पा रहा है मध्यान भोजन - दीपक बैज

- आंदोलनकारियों की मौत के बाद भी सरकार संवेदनहीन

रायपुर(विश्व परिवार)। रसोईया संघ के हड़ताल पर सरकार की हठधर्मिता से स्कूली बच्चों को मध्यान भोजन नहीं मिल पा रहा है, बच्चे भूखे पेट घर लौटने मजबूर हैं। स्कूलों में अव्यवस्था और रसोईया संघ के आंदोलन के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि यह सरकार जायज़ मांगों पर निर्णय लेने के बजाय अनशन पर बैठे मध्यान भोजन रसोईया संघ आंदोलनकारियों पर सैकड़ों एफआईआर दर्ज करके जेल भेजने का डर दिखा रही है। यह सरकार कर्मचारियों की मांगे सुनने तक के लिए तैयार नहीं है, उल्टे बर्बरता पर उतर आई है, आंदोलन को कुचलने प्रशासनिक आतंक फैलाया जा रहा है। विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी की गारंटी बताकर किए गए वायदे को पुरा कराने ही रसोईया संघ को आंदोलन करना पड़ रहा है, 100 दिन के भीतर सभी अनियमित, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने का वादा करके सत्ता में आयी भाजपा की सरकार अहंकारी हो गई है, और निर्ममता पूर्वक दमन पर उतर आई है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा सरकार की वादाखिलाफी के चलते ही आंदोलनकारी प्रदर्शन के लिए मजबूर हुए हैं। केवल 500 रुपए मासिक की वृद्धि का सरकार का प्रस्ताव अपर्याप्त है, कलेक्टर दर पर न्यूनतम मजदूरी ही तो मांग है इनकी, 66 रुपए में किसी परिवार का पेट नहीं भरता। 86 हजार से अधिक मध्यान भोजन रसोईयों में ज्यादातर ग्रामीण महिलाएं हैं जो छोटे-छोटे दुधमुंहे बच्चों को लेकर खुले आसमान के नीचे भरी ठंड में सवा महीने से आंदोलित हैं, आंदोलन के दौरान दुलारी यादव और रुक्मणी सिन्हा की मौत हो गई, लेकिन अब तक इस सरकार की आंखे नहीं खुली है, तूता धरना स्थल पर जानबूझकर शौचालय, पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाएं बाधित कर दी गई है, आंदोलनकारियों को जिम्मेदार नेता, मंत्री, और विधायक से मिलने से रोका जा रहा है, धक्का-

नगर निगम की सामान्य सभा में 11 विषय सर्वसम्मति से एवं 2 विषय बहुमत के आधार पर पारित

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम की सामान्य सभा की बैठक आज पूर्वान्ह 11:00 बजे से नगर निगम के सभागृह में प्रारंभ हुई। बैठक में 13 विषयों पर चर्चा कर विचार-विमर्श उपरांत निर्णय लिया गया।

बैठक निर्धारित समय में राष्ट्रगीत तथा राज्य गीत के साथ प्रारंभ हुई। तत्पश्चात एक घण्टे का प्रश्नकाल हुआ, प्रश्नकाल के पश्चात क्रमानुसार विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिया गया। लोक सेवा केन्द्र से प्राप्त सामाजिक सुरक्षा पेंशन के आवेदन की स्वीकृति एंव अनुमोदन विषय सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके प्रश्चात चौक चौराहा के नामकरण की कडी में पुष्प वाटिका का नाम वेद्यूर्ति तपोनिष्ठ पं. श्रीराम आचार्य जी के नाम से किये जाने, डोंगरगांव रोड में ब्रम्हकुमारी प्रवेश द्वार के चौक का नाम ब्रम्हकुमारी चौक, केशन नगर स्थित चौराहे का नाम कालीबाड़ी चौक, महामाया चौक बसंतपुर का नाम संत शिरोमणी सेन जी महाराज, कौरिनभाठा स्थित चौराहे का नाम चित्रांश चौराहा, सिंधी कालोनी वार्ड नं. 23 के संत कवरराम चौराहा से झुलेलाल घाट जाने वाले मार्ग का नाम संत बाबा आसूदाराम मार्ग, वार्ड नं. 23 सिंधी कालोनी हेमू कालाणी चौक के पास स्थित गार्डन का नाम शदाणी उद्यान एवं फरहद चौक का नामा शहीद वीरनारायण सिंह चौक के नाम पर किये जाने चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से पारित किया गया। जिसमें से महामाया चौक बसंतपुर का नाम संत शिरोमणी सेन जी महाराज के नाम से किये जाने संबंधित विषय में समाज द्वारा पुन: नया स्थल आशा नगर चौक व रोड का नाम सेन जी महारा के नाम से किये जाने संबंधी पत्र के आधार पर स्थल परिवर्तन कर आशा नगर चौक व रोड का नाम संत शिरोमणी सेन जी महाराज के नाम से करने का निर्णय लिया गया।

रायपुर प्रेस क्लब खेल मड़ईः पत्रिका ने हरिभूमि-आईएनएच को 40 रन से हराया

- स्व. कुलदीप निगम स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट

रायपुर। प्रेस क्लब खेल मड़ई के अंतर्गत आयोजित स्व. कुलदीप निगम स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबला जारी है। सुभाष स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मैच में पत्रिका ने हरिभूमि/आईएनएच को 40 रन से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। पत्रिका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और निर्धारित 10 ओवर में 5 विकेट पर 119 रन बनाए। पत्रिका के ओपनर बल्लेबाज अनुराग सिंह पहले ही ओवर में गौरव शर्मा की गेंद पर बोल्ड होकर पैवेलियन लौट गए। दूसरे छोर पर देव सोनकर और हिमांशु शर्मा ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन दूसरे ओवर के आखिरी गेंद पर फील्डर अभिषेक को कैच थमा बैठे। देव ने 1 चौका और 2 छक्के की मदद से 9 गेंदों में 17 रन बनाए। इसके बाद आये अजय रघुवंशी भी ज्यादा देर क्रीज पर टिक नहीं पाए और गुलाब यादव की गेंद पर रमन हलवाई को आसान कैच थमा दिए। दूसरे छोर पर क्रीज पर टिककर खेल रहे हिमांशु 8वें ओवर में रनआउट होकर पैवेलियन लौट गए। हिमांशु ने 19 गेंदों में 18 रन बनाए। इसके बाद निकेश देवांगन ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए शानदार 55 रनों की नाबाद अर्द्धशतकीय पारी खेली। निकेश ने 23 गेंदों का सामना कर 4 चौके व 5 छक्के जड़े। वहीं त्रिलोचन मानिकपुरी ने 5 गौरव शर्मा ने नाबाद 4 रन बनाए। हरिभूमि/आईएनएच की ओर से नीलेश, रिजवान कुरैशी, रमन हलवाई व मोहम्मद हसन ने एक-एक विकेट लिया। रमन हलवाई सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए। उन्होंने 2 ओवर में सर्वाधिक 40 रन दिए।

जवाब में 120 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरिभूमि/आईएनएच के बल्लेबाज पत्रिका के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाए और पूरी टीम 9 ओवर में ही 79 रन पर सिमट गई। हरिभूमि/आईएनएच के ओपनर बल्लेबाज रिजवान कुरैशी और संजय बनवासी ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। दोनों बल्लेबाजों ने 32 रनों की साझेदारी की। तेजी से रन बटोरे रहे रिजवान तीसरे ओवर के आखिरी गेंद पर अजय रघुवंशी को कैच थमा बैठे। रिजवान ने 3 चौके और एक छक्का जड़कर 10 गेंदों में 20 रन बनाए। रिजवान के आउट होने के बाद संजय एक छोर पर डटे रहे, लेकिन बाकी बल्लेबाज जल्दी-जल्दी आउट हो गए। संजय भी 7वें ओवर में गौरव शर्मा की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। संजय ने टीम के लिए 2 चौके व एक छक्का जड़कर 20 रन जोड़े। इसके बाद रमन हलवाई ही 14 रन बना पाए। मोहम्मद हसन और किशन ने 6-6 रन का योगदान दिया। पत्रिका की ओर से अनुराग सिंह, गौरव शर्मा और निकेश देवांगन ने शानदार गेंदबाजी की। अनुराग ने 4, गौरव ने 3 और निकेश ने 2 खिलाड़ियों को पैवेलियन भेजे। वहीं सतीश देवांगन ने एक विकेट लिया। कार्यक्रम के अतिथि छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा और छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा थे। दोनों अतिथियों ने टीम के खिलड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

रायपुर दक्षिण विधायक निधि का एक भी विकास कार्य लेप्स ना होने पाए : सुनील सोनी

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने रायपुर नगर पालिक निगम जोन 5 कार्यालय पहुंचकर नगर निगम एमआईसी सदस्य, जोन 5 अध्यक्ष, वार्ड पार्षदों की उपस्थिति में जोन अधिकारियों की आवश्यक बैठक द्यद्व और रायपुर दक्षिण विधायक निधि मद के विकास कार्योंके स्वीकृति और कार्यादेश के बाद भी दो वर्षों से लंबित होने पर गहन नाराजगी व्यक्त की. रायपुर दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने चालू माह फरवरी 2026 में दक्षिण विधायक निधि के सभी लंबित विकास कार्यों को अगले 10 दिनों के भीतर सम्बंधित स्थलों पर प्रारम्भ करवाकर माह मार्च 2026 तक लोकार्पण करने तैयार किया जाना प्राथमिकता से सुनिश्चित करवाने निर्देशित किया. दक्षिण विधायक श्री सुनील सोनी ने कहा कि रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वार्डों में विधायक निधि के एक भी विकास कार्य को किसी भी हालत में लेप्स नहीं होने दिया जायेगा, इसका सम्बंधित जोन 5 के अधिकारीगण विशेष ध्यान रखें और रायपुर दक्षिण विधायक निधि मद में विकास कार्यों हेतु प्रदत्त राशि का जनहित के स्वीकृत विकास कार्यों को करवाने में पूर्ण सदुपयोग करें. सभी कार्यों को तत्काल स्पाट पर प्रारम्भ करवाएं और सतत मॉनिटरिंग करते हुए मार्च तक शत - प्रतिशत कार्य पूर्ण करवा लें.

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, मंगलवार 10 फरवरी 2026

सड़क पर उतरे 400 स्कूली छात्र, प्राचार्य को हटाने की कर रहे मांग

रायप (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां स्कूल के बच्चों ने अपनी ही प्राचार्य के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बच्चों ने प्राचार्य को हटाने की मांग को लेकर रैली निकाली है और अपनी मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला गरियाबंद जिले के एक आत्मानंद स्कूल का है। यहां प्रचार्य वंदना पांडे को सचिव ने स्कूल का दौरा करने के बाद सस्पेंड कर दिया था। वहीं कुछ दिनों बाद एक बार फिर से वंदना पांडे को प्रचार्य बना दिया गया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से गन्ना किसानों को बड़ी राहत

भोरमदेव शक्कर कारखाना ने अब तक किसानों के खाते में 46.77 करोड़ रुपये किया हस्तांतरित

- गन्ना किसानों को 6.93 करोड़ रुपये राशि की गई जारी*

कवर्धा (विश्व परिवार)। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा द्वारा गन्ना किसानों को 6.93 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। अब तक कारखाना किसानों को कुल 46.77 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुका है। यह राशि उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से जारी की गई है। कलेक्टर एवं कारखाने के प्राधिकृत अधिकारी श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में किसानों को लगातार भुगतान किया जा रहा है, जिससे सहकारी व्यवस्था पर किसानों का भरोसा और मजबूत हुआ है। कारखाना प्रबंधन ने बताया कि नियमित भुगतान से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है और साथ ही कारखाने का संचालन भी बेहतर तरीके से हो पा रहा है। कारखाना प्रबंधन ने पेराई सत्र की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 2 लाख 33 हजार 455 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई पूर्ण की जा चुकी है, जिससे 2 लाख 74 हजार 322 क्विंटल शक्कर का उत्पादन हुआ है।

यह सफलता किसानों के सहयोग, प्रशासनिक मार्गदर्शन और कारखाने की कार्यकुशलता का संयुक्त परिणाम मानी जा रही है। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना प्रबंधन ने शेयरधारक सदस्य किसानों एवं गैर-सदस्य गन्ना उत्पादकों से सर्वे के अनुरूप अधिकतम गन्ना आपूर्ति सुनिश्चित करने की अपील की है। प्रबंधन ने इसे सहकारिता को मजबूत करने और किसानों के भविष्य को सुरक्षित करने का साझा अवसर बताया है। विगत पेराई सत्र 2024-25 एवं वर्तमान पेराई सत्र 2025-26 में सर्वे अनुमान के अनुरूप गन्ना आपूर्ति नहीं हो पाने के कारण कारखाने की पेराई क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं हो सका, जिससे पेराई अवधि प्रभावित हुई।

उपविधि में निहित सदस्यता प्रावधानों का उल्लेख

कारखाना प्रबंधन ने कारखाने की पंजीकृत उपविधियों के अंतर्गत जानकारी देते हुए बताया कि उपविधि धारा 07(02)(घ) के अंतर्गत सदस्य किसानों के लिए अपने उत्पादित गन्ने की आपूर्ति कारखाने में करना अनिवार्य है। वहीं उपविधि धारा 09(क)(05) में यह प्रावधान है कि यदि कोई सदस्य लगातार सर्वे के अनुसार गन्ना आपूर्ति नहीं करता है, तो उसकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है। प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि इन प्रावधानों का उद्देश्य दंड नहीं, बल्कि सहकारी संस्था की निरंतरता और किसानों के दीर्घकालिक हितों की रक्षा करना है।

किसानों के हित में सतत प्रयास

कारखाना प्रबंधन ने कहा कि भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना अपनी स्थापना से ही क्षेत्र के गन्ना किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति का सशक्त माध्यम रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयासों, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और किसानों के सहयोग से कारखाना निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। कारखाना द्वारा एफआरपी के अतिरिक्त रिकवरी की राशि, शासन द्वारा जारी बोनस राशि का भी भुगतान किया जाता है। शक्कर कारखाना द्वारा किसानों को शासन के सहयोग से रियायती दर पर शक्कर वितरण भी किया जाता है।

गोधा (जैन) परिवार मे स्वर्ण सीढ़ी आरोहण समारोह संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर के प्रतिष्ठित गोधा परिवार के पुत्र एवं पुत्रवधु श्री सानिध्य- श्रीमती अंकिता गोधा के प्रथम शिशु अपराजित के जन्मोत्सव के उपलक्ष में व श्रीमती हेमलता गोधा जी के परदादी बनने के शुभ अवसर पर परिवार जनों द्वारा रायपुर के वीआईपी रोड स्थित चेहक गार्डन में स्वर्ण सीढ़ी आरोहण समारोह का आयोजन रविवार, 8 फरवरी को बड़े ही उल्लास पूर्वक वातावरण में किया ।

उत्सव मे सगे- संबंधीजनों शुभचिंतकों, ईष्ट मित्रों समाजसेवियों, व्यापारियों ने सम्मिलित होकर इस स्वर्णिम अवसर पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं भेंट की।

सभी आगंतुकों का स्वागत श्री निकेश- श्रीमती संध्या गोधा, श्री शैलेष- श्रीमती निशा गोधा, श्री राजेश- श्रीमती रैना गोधा, श्री निमेष श्रीमती निमिषा गोधा एवं समस्त गोधा (जैन) परिवार ने किया।

मैट्स स्कूल ऑफ़ फार्मेसी द्वारा चिकित्सा शिविर का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। मैट्स स्कूल ऑफ़ फार्मेसी ने 7 फ़रवरी 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में एक चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस शिविर का उद्देश्य संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों के बीच स्वास्थ्य से संबंधित देखभाल एवं रोकथाम, समग्र कल्याण को बढ़ावा देना था।

स्वास्थ्य शिविर का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. पविंदर हंसपाल द्वारा किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान रक्तचाप (बीपी), मधुमेह, ऊँचाई, वजन तथा ऑक्सीजन लेवल जैसे आवश्यक स्वास्थ्य मानकों की जाँच की गई। प्रतिभागियों के समग्र स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर के आकलन हेतु बॉडी मास इंडेक्स (ठडप) की गणना भी की गई।

उद्घाटन के पश्चात स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियाँ सुचारु रूप से संपन्न हुईं, जिनमें फार्मेसी विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवनशैली, नियमित शारीरिक गतिविधि, तनाव प्रबंधन तथा मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापे जैसी जीवनशैली संबंधी बीमारियों की रोकथाम के बारे में जानकारी दी गई। यह स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और इसने मैट्स विश्वविद्यालय की एक स्वस्थ, जागरूक एवं सामाजिक रूप से उत्तरदायी शैक्षणिक वातावरण के प्रति प्रतिबद्धता को पुन: सुदृढ़ किया।

रक्तदान महादान: रायपुर के अमृतायु क्लिनिक में आज लगेगा रक्तदान शिविर

- 50+ यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य

रायपुर। राजधानी के शास्त्री चौक स्थित अमृतायु क्लिनिक बाय जय मेडिकल्स में कल, 10 फरवरी को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन होने जा रहा है। बिलासा ब्लड सेंटर (Bilasa Blood Centre) के तकनीकी सहयोग से आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों और जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

आयोजकों ने इस शिविर के माध्यम से कम से कम 50 यूनिट से अधिक रक्त एकत्र करने का लक्ष्य रखा है। शहर के युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील की गई है कि वे आगे आएं और इस जीवनरक्षक अभियान का हिस्सा बनें।

आयोजन समिति ने कहा कि यह रक्तदान सिर्फ एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी को नया जीवन देने का माध्यम है। हमारा प्रयास है कि रायपुर के नागरिक बड़ी संख्या में जुड़कर इस लक्ष्य को सफल बनाएं।

नागरिकों से अपील: अमृतायु क्लिनिक और बिलासा ब्लड सेंटर ने संयुक्त रूप से रायपुर के नागरिकों से इस पुनीत कार्य में सहयोग करने का अनुरोध किया है। आयोजन स्थल पर रक्तदाताओं के लिए सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं और अल्पहार की व्यवस्था भी की गई है।

हृदय आपातकालीन चिकित्सा का नया केंद्र बना छत्तीसगढ़

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय चौथा वार्षिक कार्डियोवैस्कुलर इमरजेंसीज़ सिम्पोज़ियम रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस आयोजन ने न केवल चिकित्सा जगत में शैक्षणिक विमर्श को नई ऊंचाइयां दीं, बल्कि AIIMS रायपुर को हृदय आपातकालीन देखभाल के राष्टीय मानचित्र पर एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया है।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए AIIMS रायपुर के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने कहा कि आपातकालीन स्थितियों में समय की महत्ता सबसे अधिक होती है। उन्होंने समय-संवेदनशील प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए ट्रामा एवं इमरजेंसी विभाग की सराहना की। वहीं, डीन (अकादमिक्स) डॉ. एली मोहापात्रा और डीन (रिसर्च) डॉ. अभिरुचि गलहोत्रा ने इमरजेंसी मेडिसिन में शोध और बेडसाइड निर्णय-निर्माण की भूमिका को रेखांकित किया। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण इंडूसेम (फ्लोरिडा, अमेरिका) के अध्यक्ष डॉ. सागर गलवांकर का कीनोट व्याख्यान रहा। उन्होंने भारतीय परिप्रेक्ष्य में हृदय रोगों से निपटने की चुनौतियों और भविष्य की तकनीकों पर प्रकाश डाला। विभाग के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) देवेन्द्र के. त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि इस सम्मेलन का मूल मंत्र क्या पहचानना है और कितनी शीघ्रता से कार्रवाई करनी है पर आधारित था, ताकि प्रशिक्षण का सीधा लाभ मरीजों की जान बचाने में मिल सके।

एनएच एमएमआई हॉस्पिटल रायपुर में बाह्य आपदा मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। एनएच एमएमआइ हॉस्पिटल, रायपुर के इमरजेंसी डिपार्टमेंट द्वारा 7 फरवरी 2026, शनिवार को प्रात: 9 बजे एक E&ternal Disaster Mock Drill का सफल आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल में इमरजेंसी डिपार्टमेंट, क्रिटिकल केयर, ऑपरेशन थिएटर (हृञ्ज), रेडियोलॉजी, लेबोरेटरी, ब्लड बैंक, फार्मेसी, प्रशासन, क्वालिटी टीम, सुरक्षा विभाग, हाउसकीपिंग, एम्बुलेंस सेवा तथा स्त्र्व्ध नर्सिंग कॉलेज की टीमों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

इस मॉक ड्रिल के अंतर्गत एक काल्पनिक लेकिन यथार्थपरक परिदृश्य बनाया गया, जिसमें यात्रियों से भरी एक बस के खाई में गिर जाने की स्थिति दर्शाई गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही हृ॥ स्त्र्व्ध हॉस्पिटल की इमरजेंसी टीम मौके पर पहुँची और घायलों की फील्ड ट्रायेजिंग की। इसके बाद घायलों को प्राथमिक उपचार देते हुए एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुँचाया गया।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स का महा-सदस्यता अभियान, संगठन विस्तार का लिया संकल्प

रायपुर (विश्व परिवार)। आज दिनांक 9 फरवरी 2026 को छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन, छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और भी विशाल, सशक्त और समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी जी के ओजस्वी मार्गदर्शन में आज शाम 4.00 बजे बाम्बे मार्केट स्थित चैधरी देवीलाल व्यापार उद्योग भवन में एक विशेष बैठक संपन्न हुई।

बैठक में महा-सदस्यता अभियान-एक नई ऊर्जा, एक नया संकल्प के तहत प्रदेश स्तरीय सदस्यता अभियान की सफलता हेतु विस्तृत रणनीति साझा की गई। प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि, जब हम साथ मिलकर कदम बढ़ाते हैं, तो व्यापार और प्रदेश दोनों की प्रगति सुनिश्चित होती है। उन्होंने आह्वान किया कि इस अभियान को केवल एक प्रक्रिया न मानकर एक जन-आंदोलन बनाया जाए, ताकि प्रदेश के अंतिम छोर पर बैठे व्यापारी तक चेम्बर की आवाज पहुंच सके।

बैठक में चेम्बर पदाधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न व्यापारिक संघों के प्रमुखों ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में चेम्बर को और भी विकसित करने और अधिक से अधिक व्यापारियों को संगठन की मुख्यधारा से जोड़ने का दृढ़ संकल्प लिया।

श्री थौरानी जी ने बैठक के प्रमुख बिंदुओं के बारे में बताया और कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिले और इकाई स्तर पर चेम्बर सदस्यता का विस्तार किया जाएगा। व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु चेम्बर की सदस्यता को और सुलभ बनाएंगे। डिजिटल और जमीनी स्तर पर संपर्क अभियान के जरिए नए सदस्यों को जोड़ा जाएगा।

ब्रह्मविद फुटबॉल एकेडमी बनी जूनियर प्रो लीग सीज़न वन की चैंपियन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर ने KAIDOS प्रीमियर प्रो लीग (-15) के एक शानदार फाइनल का गवाह बना, जिसमें ब्रह्मविद फुटबॉल एकेडमी लीग के पहले सीज़न की चैंपियन बनी।

फाइनल दिन रायपुर की सभी आठ दमदार टीमों के जुनून और मुकाबले की भावना को दिखाया, जिसमें युवा प्रतिभाओं ने मैदान पर जलवा बिखेरा।

फाइनल दिन के पहले मैच में, ब्रह्मविद ब्लू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रियल रायपुर को 2-0 से हराया, लीग टेबल में टॉप स्थान पक्का किया और अपनी चैंपियनशिप जीत की पुष्टि की। उनकी सफलता का श्रेय एक खतरनाक अटैकिंग जोड़ी को जाता है—वैभव, जो 12 गोल के साथ लीग के टॉप स्कोरर रहे, और दक्ष, जो 11 गोल के साथ उनके ठीक पीछे थे—दोनों ब्रह्मविद ब्लू टीम के थे।

सुप्रीम कोर्ट ने देश में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट के मामलों पर गंभीर चिंता जताई

- रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने डिजिटल अरेस्ट का मुद्दा गत दिसम्बर में लोकसभा में उठाया था

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने देश में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट के मामलों पर गंभीर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे घोटालों में बैंक अधिकारी भी आरोपियों के साथ मिले हुए पाए गए हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि खासकर वरिष्ठ नागरिक इसकी चपेट में आ रहे हैं। एक रिटायर्ड दंपति का उदाहरण देते हुए कोर्ट ने बताया कि उनकी पूरी जिंदगी की जमा-पूंजी ठगों ने छीन ली। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने केंद्र सरकार की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश की। उन्होंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट से निपटने के लिए अब काफी व्यापक एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) तैयार की गई है। कोर्ट ने इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जरूरी निर्देश जारी करने की बात कही। सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई की एसओपी का जिक्र किया, जिसमें साइबर फ्रॉड की आशंका होने पर बैंकों द्वारा अस्थायी डेबिट होल्ड लगाने जैसी त्वरित कार्रवाई का प्रावधान है। कोर्ट ने गृह मंत्रालय से कहा कि 2 जनवरी 2026 की एसओपी को पूरे देश में लागू किया जाए और इंटर-एजेंसी कोऑर्डिनेशन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही इन नियमों को दो हफ्तों के अंदर नोटिफाई करने का आदेश भी दिया।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने संसद में उठाया था मामला: लोकसभा में गत दिसम्बर में शून्य काल के दौरान रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने डिजिटल अरेस्ट फाइनेंशियल फ्रॉड में तेजी से ही रही बढ़ोतरी को लेकर गंभीर चिंता जताई थी। नागरिकों की फाइनेंशियल सिक्योरिटी, खासकर बुजुर्गों की फाइनेंशियल सिक्योरिटी को हो रहे नुकसान का हवाला देते हुए सांसद अग्रवाल ने औपचारिक रूप से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भारतीय बैंकिंग सिस्टम में एआई-आधारित सेफ्टी होल्ड गाइडलाइंस और एस्को मैकेनिज्म लागू करने का अनुरोध किया।

10 से 13 फरवरी तक सहयोग केन्द्र में उपस्थित रहेंगे कैबिनेट मंत्रीगण

रायपुर(विश्व परिवार)। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश सरकार के मंत्री लगातार कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों से मुलाकात उनके आवेदनों का निराकरण कर रहे है। सहयोग केन्द्र में आवेदनों के निराकरण होने से कार्यकर्ताओं एवं आमजनों में भारी उत्साह है। 10 फरवरी को कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव सहयोग केंद्र में समस्याएँ सुनकर समाधान करेंगे। उनके साथ प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष जी. वेंकटेश्वर राव रहेंगे।

श्री कमल कुमार जैन का निधन

नागपुर। श्री कमल कुमार त्रिलोकचंदजी जैन(उम्र 78 वर्ष) श्री नरेश सुरेश एवं दिनेश त्रिलोकचंद जी के बड़े भ्राता श्री एवं विशाल (पप्पू), सागर (सोनू) , राहुल (गोलू) के पूज्य पिताजी का आकस्मिक निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा सोमवार दिनांक 9 फ़रवरी को जोधपुर मिष्ठान भंडार के पीछे, इतवारी हाई स्कूल के पास गंगाबाई घाट ले जाई गई जहां उनका अंतिम संस्कार हुआ।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354